# छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 66 ■ अम्बिकापुर, रविवार 01 मार्च 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com


# गांजा तस्करी के दो मामलों में 5 किलो से अधिक गांजा बरामद

## संभागीय आबकारी उड़नदस्ता और गांधीनगर थाना पुलिस ने की अलग-अलग कार्रवाई

**छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** गांजा तस्करी के दो अलग-अलग मामलों में जहां एक ओर संभागीय आबकारी उड़नदस्ता टीम ने चार किलो मादक पदार्थ गांजा के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, दूसरा भागने में सफल हो गया, वहीं गांधीनगर थाना पुलिस ने दो आरोपियों के कब्जे से 01 किलो 100 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा एवं घटना में प्रयुक्त स्कूटी वाहन जप्त किया है।

जानकारी के मुताबिक होली पर्व को देखते हुए अवैध मादक पदार्थों की तस्करी रोकने और कार्रवाई के उद्देश्य से आबकारी उड़नदस्ता टीम 28 फरवरी को सरगुजा जिला के थाना रघुनाथपुर अंतर्गत ग्राम ऊंचडीह-मोहनपुर मार्ग पर गस्त में निकली थी। इस दौरान बाइक सवार दो संदिग्ध व्यक्तियों को अत्यधिक तेजी से जाते देखकर आबकारी की टीम ने इन्हें ओवरटेक करके रोका, इस दौरान बाइक के पीछे बैठा व्यक्ति भाग गया, लेकिन चालक पकड़ा गया। बाइक चालक लुंड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम कोट का आशिष पटेल था, जो पीठ में पिट्ठू बैग टांगकर रखा था। बैग की तलाशी लेने पर एक-एक किलो का 4 गांजे का पैकेट मिला, जिसका वजन 4 किलोग्राम होना पाया गया। आरोपी को एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 बी के तहत गिरफ्तार करके विशेष न्यायालय अंबिकापुर में रिमाण्ड हेतु प्रस्तुत किया गया, जहां से जेल दाखिल करने का आदेश प्राप्त हुआ। सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने बताया कि होली के अवसर पर अवैध मादक पदार्थों की तस्करी बढ़ जाती है। संभागीय आबकारी उड़नदस्ता की टीम लगातार गश्त कर रही है और अवैध मादक पदार्थ के तस्करों पर नजर रखे हुए है। कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी के साथ मुख्य आरक्षक रमेश दुबे, अशोक सोनी एवं नगर सैनिक रणविजय सिंह, ओम प्रकाश गुप्ता, महिला सैनिक राजकुमारी एवं चंद्रावती का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

### उड़ीसा से गांजा लेकर पहुंचे स्कूटी सवार पुलिस के चंगुल में फंसे

गांधीनगर थाना पुलिस ने गांजा के साथ 02 आरोपियों से 01 किलो 100 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा एवं घटना में प्रयुक्त स्कूटी जप्त किया है। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल ने पुलिस टीम को अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों पर पैनी नजर रखने निर्देशित किया है। इसी क्रम में मुखबिर की सूचना पर दो संदिग्ध एक्टिवा स्कूटी कमांक सीजी 15 डीजे 4318 में सवार दिनेश थापा पिता श्याम थापा 35 वर्ष निवासी झारसुगड़ा उड़ीसा हाल मुकाम अजिरमा नेपालीपारा व विक्की तामंग पिता चन्द्रा तामंग 21 वर्ष निवासी झारसुगडा उड़ीसा को पकड़ा। स्कूटी की तलाशी लेने पर डिक्की में 01.100 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा मिला, जिसकी कीमती लगभग 22 हजार रुपये है। पूछताछ में इन्होंने उड़ीसा से गांजा खरीद कर लाने एवं स्थानीय स्तर पर बिक्री करने की जानकारी दी है। आरोपियों के विरुद्ध धारा 20 (बी) एन.डी.पी.एस. एक्ट का अपराध पंजीबद्ध करके न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रवीण कुमारी द्विवेदी, उप निरीक्षक दिलीप दुबे, सहायक उप निरीक्षक अभिषेक दुबे, आरक्षक विकाश सिंह, कुंदन पाण्डेय, केवल साहू, घनश्याम देवांगन सक्रिय रहे।

# व्यवसायी के खाता में धोखाधड़ी की रकम मंगवाकर 80 हजार लिया

## गांधीनगर थाना पुलिस द्वारा हाल में गिरफ्तार आरोपी के विरूद्ध एक और अपराध दर्ज

**छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** गांधीनगर थाना पुलिस द्वारा हाल में गिरफ्तार किए गए ठगी के आरोपी के विरूद्ध एक और व्यवसायी ने छलपूर्वक 80 हजार रुपये नकद प्राप्त लेने और धोखाधड़ी की रकम को खाते में डलवाने की रिपोर्ट कोतवाली थाना में दर्ज कराई है।

जोड़ा पीपल केदारपुर में मोबाइल दुकान का संचालन करने वाले पिन्टु कुमार गुप्ता पिता राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता 30 वर्ष ने कोतवाली थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया है कि वह मोबाइल के साथ ऑनलाइन काम करता है। 13 जुलाई 2024 को लगभग 06 बजे अज्ञात व्यक्ति आया और नाजुक स्थिति में पत्नी को मिशन अस्पताल में एडमिट करने की जानकारी देते हुए कहा कि उसे रुपये की जरूरत है, और वह रुपये मंगवाने के लिए दुकान संचालक से खाता नम्बर मांगा। उसकी बातों को सुनने के बाद विश्वास में आकर वह अपने बैंक खाता का नम्बर उसे बताया, इसके बाद उसमें 80 हजार रुपये आया, जिसे एटीएम से निकालकर नकद दे दिया, और अपने खाता में 40 हजार रुपये ट्रांसफर किया था, इसके बाद दोनों खाता फ्रीज होने की जानकारी एक दिन बात पता मिली। हाल में 26 फरवरी 2026 को थाना गांधीनगर पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए व्यक्ति अनूप चैबे पिता नागेन्द्र नाथ चैबे निवासी थाना रेहला झारखण्ड का फोटो न्यूज पेपर और सोशल मीडिया में देखने के बाद वह उसे पहचाना, जो उसके दुकान में 13.07.2024 को आया था और छलपूर्वक उसके खाते में अपराधिक कृत्य का 80 हजार रुपये डलवाया था। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध धारा 318 (4) का मामला दर्ज कर लिया है।

### दाखिला के नाम पर 5.70 लाख की ठगी

भारतीय विद्यापीठ पुणे में प्रवेश कराने के नाम पर 5 लाख 70 हजार रुपये की धोखाधड़ी करने का मामला प्रकाश में आया है।

सदर रोड निवासी कुमार सोनी पिता हीरालाल सोनी 30 वर्ष ने गांधीनगर थाना पुलिस को दिए गए लिखित शिकायत पत्र में बताया है कि उसका भाई शौर्य सोनी वर्ष 2022 में नीट की परीक्षा दिया था, तत्समय सचिन शर्मा नामक व्यक्ति से पहचान हुआ, जो फोन करके भाई का एमबीबीएस में प्रवेश भारतीय विद्यापीठ पुणे में करा देने कहा। विश्वास में लेकर सचिन शर्मा 16.09.2022 से 23.09.2022 के बीच ऑनलाइन तीन बार में 5 लाख 70 हजार रुपये ले लिया। इसके बाद प्रवेश की अवधि बीत गई, लेकिन शौर्य सोनी का दाखिला नहीं हुआ। लगभग डेढ़-दो साल तक इंतजार करने के बाद वह अपना पैसा वापस करने के लिए सचिन शर्मा को कई बार फोन किया, बाद में वह फोन उठाना बंद कर दिया। धोखाधड़ी का एहसास होने पर गांधीनगर थाना में दिए गए आवेदन पर पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है, और अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

### मोटरसायकल की डिक्की से 98 हजार रुपये पार

सूरजपुर जिला के परियोजना कार्यालय के सामने खड़ी मोटरसायकल की डिक्की से अज्ञात व्यक्ति थैला सहित 98 हजार रुपये लेकर भाग गया। राम कुमार कुशवाहा पिता स्व. बुद्धू राम कोईर 55 वर्ष रामानुजनगर थाना क्षेत्र के ग्राम बरहोल का रहने वाला है। 26 फरवरी को वह दोपहर में करीब 12 बजे जिला सहकारी बैंक रामानुजनगर आया था, और करीब 02 बजे 98 हजार रुपये निकालने के बाद कपड़ा के थैला में लपेटकर मोटरसायकल की डिक्की में रखा था। डिक्की को बंद करके अपने काम से परियोजना कार्यालय रामानुजनगर आया, और मोटरसायकल खड़ा करके कार्यालय के अंदर चले गया। इस बीच परियोजना कार्यालय के सामने एक महिला खड़ी थी, जो कुछ देर बाद अंदर आकर राम कुमार को बताई कि उसके मोटरसायकल की डिक्की को खोलकर कोई आदमी थैला लेकर भाग रहा है। कार्यालय से बाहर निकला तो मोटरसायकल के डिक्की में रखा 98 हजार रुपये थैला सहित गायब था। आसपास तलाश करने के बाद भी रुपये लेकर भागे व्यक्ति का पता नहीं चला। रिपोर्ट पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 303(2) का मामला कायम कर लिया है।

# लुण्ड्रा के ग्राम नागम में मेडिकल कॉलेज ने लगाया पहला मेगा हेल्थ कैंप

## 350 से अधिक ग्रामीणों का हुआ परीक्षण, हृदय रोग के दो गंभीर मरीज रेफर

**छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध चिकित्सालय, अंबिकापुर द्वारा विकासखंड लुण्ड्रा के ग्राम नागम में आयोजित प्रथम मेगा हेल्थ कैंप में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। शिविर में 350 से अधिक लोगों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाइयों का वितरण किया गया। शिविर का आयोजन सुबह 11 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक किया गया।

शिविर के दौरान हृदय रोग के दो गंभीर मरीज चिन्हित किए गए। विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा तत्काल परीक्षण उपरांत उन्हें उच्च स्तरीय उपचार हेतु मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। संबंधित मरीजों की आगे की जांच एवं संभावित शल्य चिकित्सा के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। चर्म रोग विभाग में सर्वाधिक भीड़ देखने को मिली। डॉ. पी.के. सिन्हा एवं उनकी टीम ने बड़ी संख्या में मरीजों की जांच कर उपचार संबंधी परामर्श दिया और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। विधायक प्रबोध मिंज ने शिविर का निरीक्षण किया और इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की पहुंच स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। शिविर में चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आर.सी. आर्या, सीएमएचओ डॉ. मार्को सहित अन्य सीनियर चिकित्सक भी उपस्थित रहे। शिविर में अस्थि रोग, स्त्री रोग, शिशु रोग, नेत्र, नाक-कान-गला, सर्जरी एवं दंत रोग विभागों के परामर्श काउंटर लगाए गए थे। स्कूली बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों एवं युवाओं ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। चिकित्सकीय दल एवं सहायक स्टाफ बस एवं एम्बुलेंस से प्रातः 9 बजे अंबिकापुर से रवाना होकर ग्राम नागम पहुंचे थे। शिविर के समन्वयक के रूप में डॉ. संतू बाघ, डॉ. नवनीत दुबे एवं छोटेलाल शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी शिविर आयोजित करने की बात कही है।

# मानव दुर्व्यपार के मामले में फरार आरोपिया पुणे महाराष्ट्र से गिरफ्तार

**छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** मानव दुर्व्यपार के मामले में फरार आरोपिया को पुलिस ने पुणे महाराष्ट्र से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपिया पीड़िता को काम दिलाने के बहाने ले गई थी। पुलिस ने पड़ताल में पाया था कि महिला अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर संगठित गिरोह बनाकर इस घटना को अंजाम दे रही है। पुलिस टीम ने मामले में पूर्व में कार्रवाई करते हुए 02 आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेजा था। जानकारी के मुताबिक 19/12/25 को थाना लखनपुर में एक महिला रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि ग्राम सिंगीटाना का धनी कुजूर उसे काम दिलाने का झांसा देकर अपने साथी अल्का टोप्पो, कलावती एक्का के साथ फिरोजाबाद ले गया और एक युवक से उसका विवाह करा दिया। बाद में पता चला कि उसका सौदा 03 लाख रुपये में किया गया है। इसके बाद किसी तरह वहां से भागकर अपने गांव पहुंची और मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट पर थाना लखनपुर में धारा 143(2), 87, 3(5), 64(2)(ढ), बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पूर्व में पुलिस टीम ने आरोपी धनी कुजूर एवं अलका टोप्पो को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड में भेजा था। प्रकरण में शामिल आरोपिया घटना दिनांक से फरार चल रही थी। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल ने प्रकरण में फरार आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में थाना लखनपुर पुलिस टीम ने कलावती एक्का पिता हॉबील एक्का 40 वर्ष, निवासी लडुवा थाना राजपुर, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज, हाल-मुकाम गोरसीडबरा थाना गांधीनगर को पुणे महाराष्ट्र से हिरासत में लिया। पूछताछ के बाद आरोपिया को गिरफ्तार करके न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। मानव दुर्व्यपार के मामले में बीएनएस की धारा जोड़कर कार्रवाई की गई है। मामले में शामिल अन्य आरोपी फरार हैं, जिनके तलाश में पुलिस लगी है। कार्रवाई में थाना प्रभारी लखनपुर उप निरीक्षक सम्पत पोटाई, सहायक उप निरीक्षक निर्मला कश्यप, महिला आरक्षक मानिता तिग्गा, आरक्षक जगेश्वर बघेल सक्रिय रहे।

# सेवानिवृत उप निरीक्षकों और प्रधान आरक्षक को पुलिस परिवार ने दी भावभीनी विदाई

**छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** सेवानिवृत उप निरीक्षक प्रेम सागर खुटिया, भदर साय, सहदेव राम बर्मन एवं प्रधान आरक्षक इमील टोप्पो की अर्द्धवार्षिकी आयु पूर्ण होने पश्चात भावभीनी विदाई पुलिस परिवार ने दी। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा ने इन्हें स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया और शुभकामनाएं दी। विदाई समारोह के दौरान इन्हें पी.पी.ओ. आदेश प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान सेवानिवृत अधिकारी-कर्मचारी के स्वजन सहित कार्यालयीन स्टाप उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में आयोजित सम्मान समारोह डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल ने कहा कि उप निरीक्षक प्रेमसागर खुटिया, भदर साय, सहदेव राम बर्मन एवं प्रधान आरक्षक इमील टोप्पो ने ईमानदारी पूर्वक अपने कर्तव्यों का पालन कर संवेदनशील पुलिसिंग में अपना सहयोग प्रदान किया है। उन्होंने इनके स्वजनों से चर्चा करके पुलिस परिवार के कल्याण के लिए हरसंभव मदद करने आश्वस्त किया, और स्वस्थ्य जीवन और आगे निरंतर प्रगति करने की शुभकामनाएं दी।

# जल संसाधन विभाग में पदस्थ अशोक कुमार सोनी 37 साल बाद हुए सेवानिवृत

## भावभीनी विदाई के बीच सहयोगियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने उनके योगदान को सराहा

**छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** जल संसाधन संभाग क्रमांक 1, अंबिकापुर में सहायक ग्रेड-2 के रूप में कार्यरत अशोक कुमार सोनी शनिवार, 28 फरवरी को अपनी सेवा से निवृत्त हो गए। इनके सेवानिवृत्ति पर विभाग ने समारोह आयोजित किया, जिसमें विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ उनके परिवार के सदस्य भी उपस्थित रहे। अशोक कुमार सोनी को लंबे और समर्पित सेवा के लिए सम्मानित किया गया। सहयोगियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने उनके योगदान की सराहना करते हुए कहा कि वे अपने कार्यकाल के दौरान शासन के कार्यों को बखूबी निभाए। काम को पूजा मानकर सदा तत्पर रहे। विभाग के अधिकरियों और साथी कर्मचारियों ने उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। जल संसाधन संभाग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए उन्हें स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। विभाग के एसडीओ डीआर ढीढी ने उनके साथ काम के दौरान के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि अशोक सोनी ने हमेशा काम को प्राथमिकता दी और हमेशा अपने अधिकरियों के निर्देशों का पालन किए। उनकी दक्षता के कारण विभाग को कभी कोई परेशानी नहीं हुई। ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा ही उनकी असली पहचान थी। विभाग के कार्यपालन अभियंता ए.पी. निरंजन ने अपने उद्बोधन में कहा कि अशोक सोनी न सिर्फ बेहतर कर्मचारी के रूप में अपनी पहचान बनाए बल्कि वे एक अच्छे व्यक्तित्व के भी धनी थे। इनके विभाग से सेवानिवृत्त होकर जाने का दुख भी है और इस बात की खुशी भी है कि मुश्किल समय में वे बेदाग छवि के साथ सेवा समाप्त कर जीवन की एक नई पारी शुरू करने जा रहे हैं। इन्होंने अपने सेवा काल में जल संसाधन संभाग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और अपनी सेवाओं से विभाग को लाभान्वित किया। अपने कार्यकाल में उन्होंने कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं में सक्रिय भूमिका निभाई और विभाग की उन्नति में योगदान दिया। इनके सेवानिवृत्ति के अवसर पर आयोजित समारोह में उपस्थित लोगों ने उनके अच्छे स्वास्थ्य और सुखी जीवन की कामना की। अशोक कुमार सोनी व उनके परिवार के सदस्यों ने भी सभी सहयोगियों और वरिष्ठ अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। समारोह के अंत में अशोक कुमार सोनी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि वे हमेशा विभाग के साथ जुड़े रहेंगे और अपने अनुभव को साझा करने के लिए तैयार रहेंगे। इस दौरान विभाग के कार्यपालन अभियंता एपी निरंजन, एसडीओ डीआर ढीढी, एसडीओ वीआर साहू, एसडीओ एके आर्मो, सब इंजीनियर आदित्य साहू, सलमान अंसारी समेत विभाग के स्टाफ, अशोक सोनी की पत्नी अंजू सोनी और परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

# कृषक उन्नति योजना : जिले के 45937 हजार किसानों के खातों में पहुंची अंतर की राशि

**★ मुख्यमंत्री ने प्रदेश के किसानों को 10324 करोड़ की राशि का किया हस्तांतरण**

**★ सभी विकासखण्ड में किया गया कार्यक्रम का आयोजन**

**बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन।** मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के द्वारा बिलासप ुर जिले के विकासखण्ड बिल्हा के ग्राम पंचायत रहंगी में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में कृषक उन्नति योजना के तहत प्रदेश के 25 लाख 28 हजार से अधिक किसानों के खाते में 10324 करोड़ की राशि हस्तांतरित की गई।

इसी कड़ी में बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के 45 हजार 937 किसानों के खाते में कुल बोनस राशि 221 करोड़ 14 लाख 40 हजार रुपये की राशि आई। इस अवसर पर जिले के सभी विकासखण्डों में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बलरामपुर विकासखण्ड के अंतर्गत कार्यक्रम बाजार पारा स्थित आडिटोरियम भवन में किया गया। इसी प्रकार विकासखण्ड रामचन्द्रपुर में जनपद पंचायत सभाकक्ष रामानुजगंज, वाड्रफनगर में सहकारी समिति विरेन्द्रनगर, शंकरगढ़, कुसमी एवं राजपुर में संबंधित जनपद पंचायत के सभाकक्ष में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कृषक उन्नति योजना पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज प्रदेश के किसानों को कृषक उन्नति योजना अंतर्गत अंतर की राशि का हस्तांतरित किया गया है। उन्होंने योजना से लाभान्वित किसानों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि किसानों को कृषक उन्नति योजना के तहत लाभान्वित करने के लिए प्रदेश के सभी 146 विकासखण्डों में कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। आज का दिन किसानों के सम्मान का दिन है। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में 25 लाख 28 हजार से अधिक किसानों ने अपना धान बेचा है,

जिसकी अंतर की राषि 10324 करोड़ का भुगतान किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने होली पर्व के पहले किसानों को अंतर की राषि भुगतान करने का निर्णय लिया था। जिससे किसानों के खातों में राषि आज पहुंच गई है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसानों के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। हमारी सरकार ने कृषकों के आय में वृद्धि के लिए पशुपालन एवं मत्स्य पालन को बढ़ावा देने का निर्णय लिया है, जिससे किसानों के आय में वृद्धि होगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा कृषक सम्मान निधि योजना का भी सफल संचालन किया जा रहा है। जिसमें किसानों को सालाना 3 किस्तों में 6 हजार रुपये प्रदान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि हमारी सरकार के शपथ की दूसरे दिन ही कैबिनेट बैठक में 18 लाख परिवारों को पक्के आवास की स्वीकृति दी। हमारी सरकार ने सभी वादों को पूरा किया।

कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने संबोधित करते हुए कहा कि आज हमारे प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के द्वारा कृषक उन्नति योजना के तहत अंतर की राशि प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लिए यह ऐतिहासिक क्षण है। आज 10324 करोड़ की राशि किसानों के खाते में डीबीटी के माध्यम से सीधे अन्तरित की गई। इस अवसर पर उन्होंने किसानों को दलहन, तिलहन खेती करने के लिए भी प्रेरित किया।

बाजार पारा आडिटोरिम भवन में आयोजित विकासखण्ड स्तरीय कार्यक्रम सरगुजा सांसद श्री चिंतामणि महाराज के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाष जायसवाल, जनपद अध्यक्ष सुश्री सुमित्रा चेरवा, कृषि स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री बद्री यादव, जिला पंचायत सदस्य, जनपद सदस्य, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष श्री भानुप्रकाष दीक्षित, अन्य जनप्रतिनिधिगण, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, उप संचालक कृषि श्री रामचन्द्र भगत सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। इस दौरान किसानों को कृषक उन्नति योजना के तहत प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

सरगुजा सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने कृषक उन्नति योजना कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि आज योजना अंतर्गत किसानों के खातों में अंतर राशि प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि धान की खरीदी शासन द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य पर की गई है तथा आज पूरे प्रदेश में 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक की अंतर राशि किसानों को अंतरित की गई है। उन्होंने कहा कि होली पर्व के पूर्व किसानों को यह राशि उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे किसानों के लिए त्योहार की खुशियां दोगुनी होंगी। सांसद श्री महाराज ने कहा कि हमारा प्रदेश धान का कटोरा के नाम से जाना जाता है और यह शासन किसानों की सरकार है, जहां बेहतर समर्थन मूल्य के माध्यम से किसानों को लाभांवित किया जा रहा है। उन्होंने सभी किसानों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शासन कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने धान के साथ-साथ दलहन एवं तिलहन फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने की बात कही, ताकि किसान आर्थिक रूप से और अधिक सशक्त बन सकें।

रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाष जायसवाल एवं पूर्व जनपद उपाध्यक्ष श्री भानुप्रकाष दीक्षित ने धान के अंतर की राषि मिलने पर किसानों को बधाई देते हुए कहा कि आप सभी इस राषि का सदुपयोग करें। उन्होंने कहा कि आज आपके लिए खुषी का दिन है, दो दिन बाद होली का त्यौहार है। राषि मिलने पर आप अपने परिवार के साथ होली का त्योहार अच्छे से मनाएं।

जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर ने कहा कि कृषक उन्नति योजना अंतर्गत किसानों को धान की अंतर की राशि प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे किसानों के बैंक खातों में अंतरित की गई है। इस व्यवस्था से किसानों को समय पर राशि प्राप्त होती है और वे इसे अपनी कृषि गतिविधियों में उपयोग कर सकेंगे। शासन की पहल किसानों को सशक्त बनाने और कृषि कार्यों को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

# तेज रफ्तार कार चालक ने दो बाइकों को मारी टक्कर, तीन घायल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

**बिश्रामपुर।** अंबिकापुर-प्रतापपुर मुख्य मार्ग पर शनिवार की सुबह एक तेज रफ्तार कार चालक ने दो बाइकों को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना के बाद इलाज में देरी को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और मौके पर चक्काजाम की स्थिति बन गई।

जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह करीब 10.30 बजे कार क्रमांक सीजी 04 क्यूटी 5678 अंबिकापुर से प्रतापपुर की ओर जा रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कार चालक तेज और लापरवाहीपूर्वक वाहन चला रहा था। जैसे ही वाहन ग्राम पंचायत छत्तरपुर के पास पहुंचा, उसने ग्राम पंचायत पाठकपुर की ओर जा रहे अशोक सिंह के पुत्र व पुत्री की बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार भाई बहन सड़क पर दूर जा गिरे। इससे पहले लोग कुछ समझ पाते, कार ने छत्तरपुर मोड़ के पास ग्राम पंचायत कल्याणपुर परसापारा निवासी रामाधार के पुत्र प्रदीप राजवाड़े की बाइक को भी अपनी चपेट में ले लिया। दुर्घटना में दोनों बाइकों पर सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों और ग्रामीणों ने तत्काल घायलों को संभाला, लेकिन आरोप है कि लटोरी पुलिस द्वारा प्राथमिकता घायलों को अस्पताल पहुंचाने के बजाय दुर्घटनाग्रस्त कार को जब्त करने में दिखाई गई।

घायलों की स्थिति बिगड़ती देख ग्रामीणों का आक्रोश बढ़ गया और उन्होंने मुख्य मार्ग पर चक्काजाम की स्थिति निर्मित कर दी। कुछ समय के लिए अंबिकापुरङ्कप्रतापपुर मार्ग पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया। पीड़ित पक्ष और पुलिस के बीच नोंकझोंक की सूचना मिलते ही कांग्रेसी नेता रोहन राजवाड़े और कल्याणपुर सरपंच गोवर्धन सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने तत्काल पहल करते हुए गंभीर रूप से घायल लोगों को निजी वाहन से अंबिकापुर अस्पताल भिजवाया। इसी बीच सूचना पर डीएसपी अनूप एक्का और खड़गंवा चौकी प्रभारी रघुवंश सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाइश देते हुए लोगों की नाराजगी को शांत कराया।

# वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में सौम्या ने अर्जित किया गोल्ड मेडल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

**बिश्रामपुर।** पीजी कॉलेज अंबिकापुर में शनिवार को आयोजित वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान सौम्या सिंह को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। सौम्या सिंह ने सत्र 2023-24 में एमए मनोविज्ञान साइकॉलॉजी विषय में 78.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर महाविद्यालय में सर्वोच्च स्थान हासिल किया था। उनकी इस शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए समारोह में उन्हें गोल्ड मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज थे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ के पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल ने की। सौम्या सिंह चिरमिरी के स्टेशन प्रबंधक एसएन सिंह की ज्येष्ठ पुत्री हैं। उनकी इस उपलब्धि से परिवार एवं शुभचिंतकों में हर्ष का माहौल है।

# पायलटिंग वाहन की टक्कर से कालरी कर्मी गंभीर रूप से घायल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

**बिश्रामपुर।** राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 पर ग्राम पंचायत तेलईकछार केनापारा में पायलटिंग वाहन की टक्कर से एक कालरी कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। गौरतलब है कि ग्राम केनापारा निवासी कालरी कर्मी विजय गुप्ता पिता गुलाब गुप्ता शनिवार को शाम करीब 4 बजे ड्यूटी से स्कूटी में अपने घर वापस लौट रहे थे। तभी राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 पर ग्राम केनापारा में ही जैसे ही स्कूटी सवार कालरी कर्मी विजय गुप्ता अपने घर के लिए वाहन को मोड़ रहे थे, तभी तेज रफ्तार में पीछे से आ रहे पायलटिंग स्कॉर्पियो वाहन क्रमांक सीजी 16 सीपी 3805 के चालक ने जबरदस्त टक्कर मार दिया। दुर्घटना में कॉलरी कर्मी के रीढ़ की हड्डी व शरीर के अन्य हिस्से में गंभीर चोट आई है। दुर्घटना से नाराज ग्रामीणों द्वारा एनएच 43 पर ही चक्काजाम कर दिया गया, जिसकी सूचना मिलते ही जयनगर टीआई रूपेश कुंतल एक्का तत्काल दलबल के साथ मौके पर पहुंच लोगों को समझाइश देकर आंदोलन समाप्त करा दिया गया। दुर्घटना उपरांत पायलटिंग वाहन में सवार सभी पुलिस कर्मी मौके से फरार हो गए। घायल कालरी कर्मी विजय गुप्ता अंबिकापुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है और पुलिस ने पायलटिंग वाहन को अपने कब्जे में रख मामले की जांच शुरू कर दी है।

## कृषक उन्नति योजना की किसानों ने की सराहना

**बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन।** राज्य शासन द्वारा प्रदेश में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। जिसका लाभ लोगों को मिल रहा है। इन्ही जनहितैषी योजनाओं को समाज के अंतिम छोर तक पहुंचाने विभाग द्वारा विभिन्न माध्यम से गांवों में प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज कृषक उन्नति योजना कार्यक्रम में आए हुए ग्रामीण किसानों को विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। इसके साथ ही कार्यक्रम में जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित जनमन, राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित प्रचार सामग्री का नि:शुल्क वितरण किया गया। कार्यक्रम देखने आए किसानों ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव सरकार के नेतृत्व में मोदी जी की गारंटी जो पूरी हो रही है यह सराहनीय है। उन्होंने कहा कि राज्य शासन द्वारा चलाया जा रहा कृषक उन्नति योजना किसानों के लिए लाभप्रद है।

# जयनगर थाना व लटोरी चौकी में हुई शांति समिति की बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

**बिश्रामपुर।** रंगों के महापर्व होली को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर शनिवार को जयनगर थाना व लटोरी चौकी में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। जयनगर थाना में बैठक की अध्यक्षता एसडीओपी अभिषेक पैकरा ने की। बैठक की शुरुआत आपसी भाईचारे और सामाजिक समरसता के संदेश के साथ हुई। एसडीओपी अभिषेक पैकरा ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि होली का त्योहार प्रेम, सद्भाव और एकता का प्रतीक है, इसे किसी भी प्रकार की अशांति या हुड़दंग से दूर रखते हुए मनाया जाए। उन्होंने विशेष रूप से बताया कि इन दिनों बोर्ड परीक्षाएं संचालित हो रही हैं, ऐसे में साउंड सिस्टम और डीजे के प्रयोग से बचा जाए ताकि परीक्षार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो। त्योहार की खुशियां दूसरों की असुविधा का कारण न बनें, यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। एसडीओपी ने स्पष्ट किया कि चिन्हित स्थानों पर पुलिस द्वारा विशेष प्वाइंट बनाकर सर्चिंग की जाएगी। संवेदनशील इलाकों में गश्त बढ़ाई जाएगी और किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधि पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि यदि कहीं भी कोई अप्रिय स्थिति निर्मित होती दिखे तो तत्काल पुलिस को सूचना दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। बैठक में आमजन को साइबर ठगी से बचाव, यातायात नियमों के पालन और अन्य महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों पर भी जागरूक किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि त्योहारों के समय ऑनलाइन ठगी की घटनाएं बढ़ जाती हैं, इसलिए किसी भी संदिग्ध कॉल या लिंक से सावधान रहें। साथ ही नशे की हालत में वाहन न चलाने और हेलमेट, सीट बेल्ट के उपयोग की भी अपील की गई। बैठक में जयनगर थाना प्रभारी टीआई रूपेश कुंतल एक्का, सूरजपुर जनपद उपाध्यक्ष मनमत बछाड़, वेद प्रकाश मिश्र, युवक कांग्रेस भटगांव विधानसभा अध्यक्ष विक्की समद्दार, कुंजनगर सरपंच पति संजीव कुमार सिंह, जयनगर सरपंच पति राजेंद्र प्रसाद गंवटिया, पार्वतीपुर सरपंच चंद्रदेव तिर्की, जमदेई सरपंच राजेश्वर सिंह, जनार्दन प्रसाद कुशवाहा, लवन राजवाड़े, संतलाल सोनवानी, उप सरपंच चंद्रगुप्त, उपनिरीक्षक सोहन सिंह, सहायक उपनिरीक्षक मनोज द्विवेदी, शशिशेखर तिवारी, सहित अन्य उपस्थित रहे। वहीं दूसरी ओर लटोरी चौकी में भी सूरजपुर एसडीओपी अभिषेक पैकरा, लटोरी तहसीलदार सुरेन्द्र पैकरा, चौकी प्रभारी अरुण कुमार गुप्ता द्वारा उपस्थित जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों को आपसी भाईचारा, सामाजिक सौहाद्र, समरसता के साथ होली पर्व मनाने तथा होली में नशे का सेवन व डीजे का उपयोग न करने, मोटरसाइकिल में 3 सवारी न चलने के संबंध में समझाइश दिया गया। बैठक में ज्ञानचंद सिंह, ललन सिंह, कंवलबिहारी सिंह, गिरवर राजवाड़े, देवसाय पैकरा, मोहन शर्मा, आकाश मानिकपुरी, अयोध्या जायसवाल, शिवकुमार, सूरज बलवंत, विकास जायसवाल, अर्जुन देवांगन, बुधराम राजवाड़े, दुष्यंत तिवारी, वीरेंद्र कुमार, सोनू गुप्ता, विश्वजीत कुंडू व अन्य उपस्थित थे।

# ई-ऑफिस के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

**बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन।** राज्य शासन के निर्देशानुसार ई-ऑफिस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण दो पालियों में आयोजित हुआ, जिसमें जिले के सभी विभागों एवं कार्यालयों के अधिकारी-कर्मचारियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण में अधिकारियों को ई-ऑफिस प्रणाली, ई-एचआरएमएस और स्पैरो पोर्टल से संबंधित बारीकियों की जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, गति और जवाबदेही सुनिश्चित करना है।

राज्य स्तर से आए मास्टर ट्रेनर श्री विनोद देवांगन एवं निखिल साहू ने ई-ऑफिस के संचालन की तकनीकी बारीकियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने ई-ऑफिस के अंतर्गत डिस्पैच, पत्राचार, नोटशीट, डिजिटल हस्ताक्षर और फाइल ट्रैकिंग सिस्टम का उपयोग, ई-एचआरएमएस प्रणाली के तहत अवकाश, पदस्थापना आदि का ऑनलाइन प्रबंधन, स्पैरो पोर्टल के माध्यम से वार्षिक गोपनीय प्रतिवेदन की प्रविष्टि और मूल्यांकन प्रक्रिया, अचल संपत्ति विवरण प्रस्तुत करने के संबंध में विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। कार्यालयीन प्रक्रियाओं को डिजिटल, पारदर्शी, त्वरित और पेपर मुक्त बनाने के लिए मार्गदर्शन दिया गया। प्रशिक्षण में अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का समाधान भी किया गया। प्रशिक्षण में अपर कलेक्टर श्री आर.एस. लाल, श्री चेतन बोरघरिया, श्री प्रमोद गुप्ता, श्री अभिषेक गुप्ता सहित सभी अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

# भद्रा के कारण चार को खेली जाएगी होली, तीन को चंद्रग्रहण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

**बिश्रामपुर।** होली पर्व से ठीक पहले लगने वाले चंद्रग्रहण और भद्रा के कारण इस वर्ष त्योहार की तिथियों को लेकर संशय की स्थिति बनी हुई है। श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर के आचार्य पंडित बाल किशुन गर्ग ने इस संबंध में स्थिति स्पष्ट की है। आचार्य गर्ग के अनुसार इस वर्ष होलिका दहन 2 मार्च की रात्रि 2 बजे से 4 बजे भोर के बीच करना श्रेष्ठ रहेगा। वहीं 3 मार्च मंगलवार को सायं 6 बजे से 6.47 बजे तक खंडग्रास चंद्रग्रहण रहेगा। चंद्रग्रहण का सूतक काल 3 मार्च को प्रात: 9 बजे से प्रारंभ होकर सायं 6.47 बजे ग्रहण मोक्ष तक प्रभावी रहेगा। उन्होंने बताया कि संवत 2082 फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा को ग्रस्तोदित खंडग्रास चंद्रग्रहण लगेगा। धर्मशास्त्र के अनुसार 3 मार्च को चंद्रोदय सायं 5 बजकर 59 मिनट पर होगा तथा 6 बजकर 47 मिनट पर ग्रहण का मोक्ष होगा। इस दौरान पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र एवं सिंह राशि का संयोग रहेगा। धर्मशास्त्रों के अनुसार ग्रहण काल में भोजन और जलपान निषेध माना गया है, हालांकि यह नियम बालक, वृद्ध एवं रोगियों पर लागू नहीं होता। ग्रहण के समय प्रभु स्मरण, जप-तप, दान, श्राद्ध एवं धार्मिक कृत्य करना शुभ माना गया है। आचार्य गर्ग ने बताया कि 3 मार्च को प्रात: 5.18 बजे से सायं 4.56 बजे तक भद्रा का प्रभाव रहेगा। भद्रा के कारण 3 मार्च को होली खेलना शुभ नहीं माना जाएगा। इसलिए रंगोत्सव 4 मार्च को मनाना उचित रहेगा। उन्होंने यह भी बताया कि भद्रा समाप्ति के बाद 4.56 बजे के पश्चात भी होलिका दहन किया जा सकता है।

# सहायता राशि वितरण समारोह एवं किसान सम्मेलन परशुरामपुर में आयोजित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। अदान सहायता राशि वितरण समारोह एवं विशाल किसान सम्मेलन का आयोजन यहां तहसील अंतर्गत आदिम जाति सेवा सहकारी समिति प्रांगण परशुरामपुर में आयोजित किया गया। जहां मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा कृषक उन्नति योजना के तहत आनलाइन माध्यम से किसानों के खाते में अंतर की राशि का अंतरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत उपाध्यक्ष रेखा राजवाड़े, जनपद अध्यक्ष गुलाब सिंह की मौजूदगी में कलेक्टर एस जयवर्धन द्वारा किसानों को बोनस तिहार एवं होली की बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई। जिला प्रशासन व कृषि सहकारिता विभाग द्वारा आयोजित किसान सम्मेलन में छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी कृषक उन्नति योजना के तहत्यहां रामानुजनगर तहसील अंतर्गत 10 समितियों में धान विक्रय करने वाले 11हजार 4 सौ 14 किसानों को उनके खातों में अदान सहायता राशि 51 करोड़ 73 लाख 30 हजार एक सौ 62 रूपए आनलाइन माध्यम से अंतरित किया गया। इस अवसर पर किसानों ने विष्णु देव सरकार के धान खरीदी नीति की प्रशंसा की और होली त्योहार से पहले एक मुस्त राशि भुगतान किए जाने हेतु मुख्यमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में उन्नत व प्रगतिशील चयनित कृषकों को प्रमाणपत्र वितरित किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्तागण एसडीएम शिवानी जायसवाल, सीईओ संजय राय, तहसीलदार एम एस राठिया, डी डी ए संपदा पैकरा, एस.ए.डी.ओ प्रफुल्ल गुप्ता, क्वापरेटिव बैंक मैनेजर समिति प्रबंधकगण एवं बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित थे।

## किसानों को जागरूक रहने की जरूरत

इस अवसर पर किसानों को संबोधित करते हुए कलेक्टर एस जयवर्धन ने कहा कि शासन के योजनाओं का लाभ लेने के लिए हमारे किसानों को अपने भूमि से संबंधित कागजात और आधार कार्ड को अनिवार्य रूप से अपडेट रखना चाहिए और समय समय पर शासन द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन करने से आपको होने वाले दिक्कतों से बचा जा सकता है तथा समय पर योजनाओं का लाभ मिल सकता है। कलेक्टर ने अभी सम्पन्न धान खरीदी के समय एग्री स्टैक आदि औपचारिकताएं पूरी नहीं होने से अनेक किसानों को हुए परेशानियों का हवाला देते हुए किसानों से आग्रह किया कि जमीन के खसरा खतौनी ऋण पुस्तिका आधार कार्ड में नाम सही होना तथा बैंक पासबुक आदि दस्तावेजों को हर समय अपडेट रखें और एनवक्त पर होने वाली परेशानियों से बचें। कलेक्टर ने धान के अतिरिक्त गेंहू और दलहन तिलहन शब्जी वर्गीय फसलों पर ज्यादा फोकस करके अतिरिक्त लाभ कमाने की बात कही। कलेक्टर ने जल संरक्षण हेतु नदी नालों पर हो रहे अवैध कब्जों पर चिंता जताते हुए जल संरक्षण की दिशा काम करने की जरूरत पर बल दिया।

# सामर्थ्यवान फसलों की वैज्ञानिक तकनीकी खेती से अधिक मुनाफा कमाने विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। परिक्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र, अंबिकापुर में सह-संचालक अनुसंधान, डॉ. के. एल. पैंकरा के मार्गदर्शन में अखिल भारतीय सामर्थ्यवान फसल अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत आदिवासी उप योजना के तहत आदिवासी किसानों को एकदिवसीय प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें किसानों को सामर्थ्यवान फसलों की खेती एवं उससे होने वाले लाभ तथा अधिक मुनाफा कमाने हेतु वैज्ञानिकों द्वारा विस्तृत में जानकारी दिया गया। परियोजना अधिकारी सुश्री किरण तिग्गा के द्वारा परियोजना के अंतर्गत आने वाले फसलों खेख्सा, चौधारी सेम, बाकला सेम, राजगिरा, बथुआ एवं टाऊ फसल के बारे में विस्तृत जानकारी दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर से डॉ.जी.एल.शर्मा (विभागाध्यक्ष), डॉ.एस.के.द्विवेदी (प्रमुख वैज्ञानिक), डॉ. उत्तम कुमार देवांगन (वैज्ञानिक), राजमोहनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, अंबिकापुर से डॉ.रूथ एलिजाबेथ एक्का, डॉ. जहार सिंह, संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. पी.के. भगत, डॉ. आर. एस. सिदार, डॉ. लक्ष्मी सिंह द्वारा किसानों को सामर्थ्यवान फसलों के वैज्ञानिक विधि से खेती, मृदा स्वास्थ्य, कीटों तथा व्याधि से बचाव के तरीके के बारे में बारीकी से जानकारी प्रदान किया गया। किसानों को मुख्य फसल के साथ-साथ सामर्थ्यवान फसलों की खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जिससे कि किसान अधिक से अधिक लाभ प्राप्त कर सकें एवं साथ ही इन फसलों में पाए जाने वाले पोषक तत्वों तथा औषधीय गुणों के बारे में भी विस्तृत जानकारी प्रदान किया गया।

# भाजपा बीएलए पर लगा एसआईआर सूची से नाम काटवाने का आरोप

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनपुर। थाना क्षेत्र के निवासी सुरेंद्र साहू पिता स्वर्गीय राम अवतार साहू उम्र 52 वर्ष वार्ड क्रमांक 2 नगर पंचायत लखनपुर निवासी के नाम से विशेष गहन पुनिरीक्षण मतदाता सूची से नाम कटवाने हेतु फर्जी दस्तावेज तैयार कर फॉर्म में फर्जी हस्ताक्षर कर फॉर्म जमा करने के मामले में प्राची सुरेंद्र साहू ने लखनपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने आवेदन दिया है ज्ञापन में उल्लेखनीय है कि प्राची सुरेंद्र साहू को 26 फरवरी को ज्ञात हुआ की तहसील कार्यालय लखनपुर में उनके नाम से किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा विशेष मुस्लिम समुदाय के करीब 111-12 लोगों का एसआईआर मतदाता सूची में नाम काटने हेतु फर्जी हस्ताक्षर कर आवेदन दिया गया था जबकि उनके द्वारा किसी तरह का नाम कोई आवेदन काटने हटाने हेतु नहीं दिया गया था। जिसे लेकर उन्होंने थाना प्रभारी को आवेदन देकर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर का और कार्रवाई किए जाने की मांग की गई है।

# नेतृत्व परिवर्तन के साथ केशरवानी समाज का नया अध्याय शुरू

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ राज्य केशरवानी वैश्य सभा का शपथ ग्रहण समारोह और प्रबंध समिति की बैठक केशरवानी भवन, ईमलीपारा में आयोजित हुई। कार्यक्रम की शुरूआत महर्षि कश्यप ऋषि की पूजा-अर्चना से हुई, जिसके बाद नवगठित प्रदेश कार्यकारिणी ने विधिवत शपथ ली। कार्यक्रम का संचालन धीरेंद्र केशरवानी ने किया। अंत में प्रदेश महामंत्री राजेश गुप्ता ने आभार व्यक्त किया। आयोजन में बिलासपुर नगर समिति के अध्यक्ष हेमंत केशरवानी, सचिव रघुवीर केशरवानी, कोषाध्यक्ष बसंत केशरवानी सहित महिला सभा और अन्य पदाधिकारियों की सक्रिय भूमिका रही। प्रदेशभर के नगर एवं ग्राम सभाओं के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। संरक्षक प्रो. महावीर प्रसाद गुप्ता ने नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष निलेश गुप्ता सहित उनकी पूरी टीम को शपथ दिलाई। प्रदेश संरक्षक, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, मुख्य सलाहकार, सूचना प्रसारण मंत्री मीडिया प्रभारी, सहायक सूचना मंत्री और कोषाध्यक्ष पदों पर मनोनीत पदाधिकारियों ने संगठन को सशक्त बनाने का संकल्प दोहराया। प्रदेश महिला सभा में संरक्षक प्रीति गुप्ता, मनीषा केशरवानी और विभा केशरवानी की उपस्थिति में महिला समिति की प्रदेश अध्यक्ष रेखा केशरवानी और महामंत्री भावना केसरी ने शपथ ली। इसी क्रम में प्रदेश तरुण सभा के संरक्षक मिथिलेश केशरवानी और सोमेश केशरवानी ने तरुण सभा के प्रदेश अध्यक्ष मधुकर गुप्ता और महामंत्री चंद्रधर केसरी को दायित्व सौंपा। शपथ ग्रहण के बाद प्रबंध समिति की बैठक में निर्णय लिया गया कि 22 मार्च 2026 को बिलासपुर के झूलेलाल मंगलम भवन, तिफरा में अखिल भारतीय केशरवानी प्रबंध कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित होगी। इस आयोजन में देशभर से लगभग 400 प्रतिनिधियों और छत्तीसगढ़ से 400 से अधिक सदस्यों की सहभागिता सुनिश्चित करने की तैयारी की जा रही है। आयोजन की सफलता के लिए 12 समितियों का गठन कर अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

# सैकड़ो ग्रामीणों को पांच माह से चावल 1 वर्ष से शक्कर चना नहीं हुआ वितरण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनपुर। सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकानों में हितग्राहियों को राशन वितरण नहीं होने के मामला सामने आ रहा है। गांव में आज भी गए ऐसे राशन कार्ड धारी है जो राशन दुकान पर निर्भर है। शासकीय उचित मूल दुकानों में नियमित रूप से राशन वितरण नहीं होने से गरीब वर्ग के लोगों के सामने राशन की समस्या उत्पन्न हो गई है उन्हें अनेकों प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। राशन नहीं मिलने से हुआ जैसे-तैसे गुर्जर बसर कर रहे हैं। राशन वितरण नहीं होने से लोगों में आक्रोश भी देखा जा रहा है। दरअसल पुरा मामला लखनपुर विकासखंड के ग्राम लटोरी का है जहां 28 फरवरी दिन शनिवार को उचित मूल्य दुकान से राशन नहीं मिलने पर सैकड़ो ग्रामीणों ने राशन दुकान के सामने विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। मामला संज्ञान में आने के बाद तहसीलदार अंकित पटेल के निर्देश पर फूड इंस्पेक्टर सतपाल सिंह गांव पहुंचे और जांच शुरू की है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि विगत कई वर्षों से शारदा महिला स्वयं सहायता समूह के द्वारा शासकीय उचित मूल्य दुकान का संचालन किया जा रहा है। ग्राम लटोरी में लगभग 1200 राशन कार्ड धारी है। जिनमें से लगभग 450 हितग्राहियों को लगभग 5 महीने से चावल तथा 1 वर्षों से शक्कर चना का वितरण नहीं किया गया है। सोसायटी संचालक के द्वारा पोस मशीन में अंगूठा लगवाने के बाद भी राशन का वितरण नहीं किया जा रहा था और दुकान में राशन नहीं होने की बात कही जाती है। जिसे लेकर ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। 28 फरवरी दिन शनिवार को सुबह 10:00 बजे जब सैकड़ो ग्रामीण राशन दुकान राशन लेने पहुंचे तो राशन दुकान संचालक के द्वारा अंगूठा लगवा कर राशन नहीं दिया गया। आक्रोशित सैकड़ो महिला पुरुष ग्रामीणों के द्वारा शासकीय उचित मूल्य दुकान के सामने शनिवार की दोपहर विरोध प्रदर्शन किया गया। साथी उन्होंने शासन प्रशासन से दोषियों पर कार्रवाई करते हुए राशन दिलाए जाने की मांग की है। मामला संज्ञान में आने के बाद तहसीलदार अंकिता पटेल के निर्देश पर फूड इंस्पेक्टर सतपाल सिंह लटोरी गांव पहुंचे राशन वितरण के संबंध में ग्रामीणों से पूछताछ कर जांच शुरू की गई हैं।

## तहसीलदार अंकिता पटेल

इस संबंध में लखनपुर तहसीलदार अंकित पटेल ने बताया कि मामला संज्ञान में आने के बाद तत्काल फुल इंस्पेक्टर सतपाल मलिक को जांच हेतु लटोरी गांव भेजा गया है और जल्द से जल्द हितग्राहियों को राशन दिल जाने का प्रयास किया जाएगा।

# होली पर्व को लेकर थाने में शांति समिति की बैठक संपन्न

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनपुर। थाना परिसर में आगामी होली त्यौहार के मध्य नजर शांति समिति की बैठक आहूत की गई थी इस बैठक में पुलिस अनुविभागीय अधिकारी तुलसिंह पट्टावि, तहसीलदार अंकित पटेल, मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रकाश सिंह, सीएमओ विद्यासागर चौधरी, थाना प्रभारी संपत पोटाई शाहिद अन्य अधिकारी मौजूद रहे जहां उन्होंने होली त्यौहार और बोर्ड परीक्षा के मध्य नजर डीजे पर पूर्णत प्रतिबंध, बिजली तार के नीचे होलिका दहन नहीं करने, मस्जिद में रंग न फेंकने, किसी व्यक्ति पर जबरदस्ती रंग नहीं लगाने, मोटरसाइकिल पर तीन सवारी नहीं चलने एवं गांव में शराब बनाने व पिलाने वालों पर रोक लगाने एवं होली त्यौहार को शांति और सौहार्द पूर्ण मनाए जाने को लेकर अपील की गई है।

# भटगांव थाना में शांति समिति की बैठक आयोजित, होली सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाने की अपील

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जरही। होली पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर भटगांव थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, पत्रकार एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता करते हुए थाना प्रभारी सरफराज फिरदौसी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि नशे की हालत में वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि किसी पर भी जबरदस्ती रंग न लगाया जाए तथा आपसी भाईचारे और सद्भाव के साथ होली का पर्व मनाया जाए। प्रशासन की ओर से यह भी जानकारी दी गई कि होली के दौरान मुखौटा पहनना प्रतिबंधित रहेगा। साथ ही बोर्ड परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए चौक-चौराहों पर डीजे बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा, ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे और विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। थाना प्रभारी ने बताया कि इस वर्ष होली के अवसर पर भटगांव थाना अंतर्गत प्रमुख चौक-चौराहों पर अतिरिक्त पुलिस पॉइंट लगाए जाएंगे। टीम बनाकर नियमित गश्ती की जाएगी, जिससे हर स्थान पर पुलिस की उपस्थिति सुनिश्चित हो सके। बैठक में प्रशासन की ओर से तहसीलदार शिवनारायण राठिया तथा भटगांव नगर पंचायत के सीएमओ राजेश कुशवाहा भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने सभी नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधि की सूचना तत्काल थाना में दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके। बैठक का उद्देश्य होली पर्व को शांति, सद्भाव और अनुशासन के साथ संपन्न कराना बताया गया।

# प्रदेश में औद्योगिक विकास केंद्र एवं निर्यात हब हो रहे है विकसित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सोनभद्र। औद्योगिक विकास एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा अर्थव्यवस्था में विनिर्माण, खनन और उत्पादन गतिविधियों का विस्तार व आधुनिकीकरण होता है। उद्योगों से कच्चे माल को तैयार उत्पादों में बदलकर आर्थिक वृद्धि तकनीकी नवाचार, रोजगार सृजन और लोगों के जीवन स्तर में सुधार होता है। औद्योगिक विकास का मुख्य लक्ष्य आर्थिक गतिविधियों में विविधता लाना, उत्पादकता बढ़ाना और तकनीकी प्रगति करना है। भारत में यह नीतिगत सुधारों और बुनियादी ढाँचें में निवेश के माध्यम से जी0डी0पी0 को बढ़ाने वाला मुख्य आधार है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रदेश में औद्योगिक विकास के लिए महत्वपूर्ण कार्य किये है। उत्तर प्रदेश में उद्योगों की स्थापना के लिए औद्योगिक हित में जारी नीतियों के कारण ही प्रदेश में तेजी से उद्यमी निवेश करते हुए विभिन्न उद्योग स्थापित कर रहे है। निवेश को सुगम बनाने हेतु उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अनेक औद्योगिक विकास केंद्र एवं निर्यात हब विकसित किए जा रहे हैं, जिनमें यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में सेमीकंडक्टर पार्क तथा डाटा सेंटर पार्क के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एवं मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर सम्मिलित हैं। अन्य प्रमुख प्रस्तावित परियोजनाओं में पी0एम0 मित्र योजना के अंतर्गत लखनऊ, हरदोई में एक मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल एवं अपैरल पार्क तथा हरदोई-कानपुर में एक मेगा लेदर क्लस्टर का विकास किया जा रहा है। प्रदेश के ग्रेटर नोएडा निवेश क्षेत्र भी निवेश के अनेक अवसरों से परिपूर्ण है, जिसमें एक विमान हब, एमआरओ-कार्गो कॉम्प्लेक्स, दादरी में एक मल्टी-मोडल लॉजिस्टिक्स हब, बोराकी में मल्टी-मोडल परिवहन हब, मेडिकल डिवाइस पार्क तथा एक फिल्म सिटी जैसी परियोजनाएं सम्मिलित हैं।

# मंडल अध्यक्ष के हाथों ग्राम कसकेला मिडिल स्कूल भवन का भूमिपूजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

भटगांव। भटगांव मंडल अंतर्गत ग्राम कसकेला में माध्यमिक शाला (मिडिल स्कूल) के नवीन भवन निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन मंडल अध्यक्ष रमेश कुमार गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। 18 लाख 60 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति से बनने वाले इस भवन के निर्माण की घोषणा से पूरे ग्राम पंचायत कसकेला में हर्ष का माहौल है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंडल अध्यक्ष रमेश गुप्ता ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन की महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की पहल पर जिला खनिज न्यास मद से जनहित को ध्यान में रखते हुए तत्काल स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्होंने मंच के माध्यम से मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह भवन गांव के बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार गांव-गांव तक विकास पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है और भटगांव विधानसभा क्षेत्र में निरंतर विकास कार्यों को गति दी जा रही है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में योगेंद्र सिंह देव (बीडीसी), सरपंच जयादेवी, मंडल महामंत्री संतलाल प्रजापति एवं मंडल उपाध्यक्ष जगरेलाल यादव उपस्थित रहे। ग्रामवासियों ने नए विद्यालय भवन के निर्माण को गांव की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में ऐतिहासिक पहल बताया।

## सम्पादकीय

# रचनात्मक स्वतंत्रता व सामाजिक संवेदनशीलता के बीच हो संतुलन

केरल उच्च न्यायालय ने फिल्म 'केरला स्टोरी 2' की रिलीज पर रोक लगा दी और सेंसर बोर्ड को कहा है कि वह इसे दिए गए प्रमाणपत्र की पुनः समीक्षा करे। असल में फिल्मों के नाम व कथानक को लेकर भारत में विवाद कोई नया नहीं है। हाल ही में एक फिल्म घूसखोर पंडित के टाइटल पर भी तीखा विवाद हुआ था और निर्माता द्वारा नाम बदलने के बाद ही यह मामला शांत हुआ। शायद ही कोई कला माध्यम सिनेमा जितनी तीव्र सार्वजनिक बहस को जन्म देता हो। फिल्में केवल मनोरंजन नहीं करतीं, वे इतिहास की व्याख्या करती हैं, संस्कृति को आकार देती हैं और भावनात्मक प्रतिक्रियाएं भी उत्पन्न करती हैं। इसी कारण फिल्मों को लेकर विवाद इस माध्यम की प्रकृति का हिस्सा हैं। राजनीतिक, धार्मिक, क्षेत्रीय व जातीय विषयों वाली फिल्में अक्सर व्यापक सामाजिक तनावों का केंद्र बन जाती हैं। ताजा विवाद भी कुछ इसी तरह का है। मामले में याचिकाकर्ता का तर्क था कि फिल्म विभिन्न राज्यों की महिलाओं के बारे में है, जिन्हें कथित रूप से फुसलाकर धार्मिक परिवर्तन के लिए मजबूर किया जाता है, लेकिन फिल्म का शीर्षक केरला स्टोरी 2 है, जिससे कथित तौर पर जबरन धर्मांतरण के विषय को केरल राज्य से जोड़कर प्रस्तुत किया गया है। यह भी आरोप लगाया गया कि यह फिल्म कानून-व्यवस्था की स्थिति पैदा कर सकती है। यह फिल्म एक भ्रामक क्षेत्रीय संबंध स्थापित करती है और केरल के लोगों की गरिमा एवं प्रतिष्ठा को कमजोर करती है। देश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बहस का विषय रही है। इसे लेकर अनेक बार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के पैरोकारों के बीच विरोधाभास भी देखने को मिला है। दरअसल, लोग अपनी सुविधा के हिसाब से इस स्वतंत्रता का पक्ष लेते रहे हैं। सिनेमा के क्षेत्र में ऐसा होना कोई अपवाद नहीं है। अधिकांश फिल्म विवादों के मूल में एक केंद्रीय मुद्दा होता है व्याख्या। एक फिल्मकार की दृष्टि अक्सर जनता की धारणा से टकरा जाती है। जब दर्शकों को लगता है कि किसी फिल्म में उनकी पहचान, इतिहास या मूल्यों का गलत चित्रण किया गया है तो विरोध स्वाभाविक हो जाता है। उदाहरण के तौर पर ऐतिहासिक विषय पर बनी फिल्म पद्मावत को रिलीज से पहले ही भारी विरोध का सामना करना पड़ा। यह विरोध फिल्म की वास्तविक सामग्री से अधिक सांस्कृतिक विकृति की आशंका पर आधारित था। यह प्रवृत्ति दर्शाती है कि आजकल विवाद अक्सर फिल्म देखने से पहले ही राजनीतिक और सामाजिक आशंकाओं के कारण खड़े हो जाते हैं। राजनीतिक विषयों पर आधारित फिल्में भी तीखी प्रतिक्रियाओं को जन्म देती हैं। द कश्मीर फाइल्स इसका प्रमुख उदाहरण है, जिसने भारत में गहन राष्ट्रीय बहस को जन्म दिया। समर्थकों ने इसे ऐतिहासिक पीड़ा का सशक्त चित्रण बताया, जबकि आलोचकों ने इसके कथानक और राजनीतिक दृष्टिकोण पर प्रश्न उठाए। इससे स्पष्ट होता है कि सिनेमा अब केवल कला का माध्यम नहीं, बल्कि वैचारिक विमर्श का मंच भी बन गया है। सोशल मीडिया ने इन विवादों को और अधिक तेज और व्यापक बना दिया है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन जैसी संस्थाओं का दायित्व रचनात्मक स्वतंत्रता और सामाजिक संवेदनशीलता के बीच संतुलन बनाना है, लेकिन उनके निर्णयों की अक्सर दोनों पक्षों से आलोचना होती है। कभी अधिक सख्ती के लिए तो कभी ढील देने के लिए। यह द्वंद्व हमारे समाज की जटिलता को दर्शाता है। हालांकि, कई बार ऐसे विवाद समाज में आवश्यक संवाद को जन्म देते हैं।

विश्लेषण

ऋतुपर्ण दवे

# क्या ट्रंप सबसे विवादित राष्ट्रपति कहलाएंगे

डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति कम, कई बार राष्ट्रविद्रोही की भूमिका में ज्यादा नजर आने लगते हैं। वहां के सुप्रीम कोर्ट ने कानून की हद और जद में वो फैसला सुनाया, जो उनके खिलाफ था। मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स द्वारा लिखे गए फैसले के कुछ घंटे बाद ट्रंप ने बौखलाहट भरी प्रतिक्रियाएं दीं कि टैरिफ पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला बेहद निराशाजनक है। कोर्ट के कुछ सदस्यों पर शर्म आ रही है, जो देश के लिए सही काम करने की हिम्मत नहीं कर पाए। निश्चित रूप इससे ट्रंप की साख गिरी है, न कि अमेरिकी सुप्रीम अदालत की। निश्चित रूप से ट्रंप की स्थिति बहुत मजाक वाली हो गई है, कहीं न कहीं वो हाशिए पर भी हैं।

न्याय तो न्याय होता है फिर वो अपनों के लिए हो या गैरों के लिए। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यह भी नागवार गुजरा, जब वहां के सुप्रीम कोर्ट ने कानून की हद और जद में वो फैसला सुनाया, जो उनके खिलाफ था। दरअसल अमेरिका में सुप्रीम कोर्ट में अदालतों की नियुक्ति वहां के राष्ट्रपति करते हैं जो कि आजीवन या जब तक जज सक्षम, स्वस्थ और सक्रिय रहें, तब तक के लिए होती है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में ट्रंप के पहले कार्यकाल के नियुक्त तीन जज थे। इनसे ट्रंप पूरे भरोसे में थे, इतने कि उन्हें अपनी जागीर समझ बैठे। फैसला उनके खिलाफ भला कैसे जाएगा? लेकिन वो ये भूल गए कि जजों ने न्याय करने की शपथ ली थी न कि ट्रंप के हितों की रक्षा की। फैसला आते ही उन्होंने जिन शब्दों में सुप्रीम कोर्ट और खिलाफ फैसला देने वाले जजों पर आरोप लगाए तो निश्चित रूप से अमेरिका की पूरी न्याय प्रणाली पर कटाक्ष था, जो बेहद निंदनीय है। इसी तरह हालिया भारत-पाक युद्ध को रोकने को लेकर अनगिनत बार एकतरफा बोलने वाले ट्रंप इस बार तो इतना कह गए कि यदि वो दोनों का परमाणु युद्ध नहीं रुकवाते तो पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की हत्या हो जाती।

वाकई ट्रंप, ट्रंप ही हैं और वो अमेरिका के राष्ट्रपति कम, कई बार राष्ट्रविद्रोही की भूमिका में ज्यादा नजर आने लगते हैं। दुनिया भर में इस फैसले की चर्चा इसलिए भी हो रही है कि वहां के सुप्रीम कोर्ट ने बहुमत से इसे असंवैधानिक करार दिया। इसमें ट्रंप के नियुक्त जजों ने भी अहम भूमिका निभाई। 6-3 के बहुमत से ट्रंप टैरिफ को असंवैधानिक करार देते हुए 1977 के आईईईपीए कानून यानी 'अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम' (इंटरनेशनल इमरजेंसी इकॉनामिक पॉवर ऐक्ट) का हवाला दिया। यह वो अमेरिकी कानून है जो राष्ट्रपति को राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान विदेशी खतरों से निपटने के लिए आर्थिक लेनदेन, आयात-निर्यात और संपत्ति को विनियमित करने का अधिकार देता है। जबकि अमेरिका में ऐसी स्थिति नहीं है। बिना कांग्रेस की सहमति लिए जिद्दी ट्रंप ने दुनिया भर में मनमाने टैरिफ ठोंक दिए। इससे भारत भी अछूता नहीं रहा। फैसला आते ही कुछ देर में ट्रंप ने प्रेस कांफ्रेंस की, जिसमें फैसले की न केवल आलोचना की बल्कि विरोध में फैसला देने वाले खुद के नियुक्त जजों को जमकर कोसा, लताड़ा भी। कोर्ट पर मनमाने आरोप भी लगाए और कहा कि अदालत विदेशी हितों और ऐसे राजनीतिक आंदोलनों से प्रभावित है, जो लोगों की सोच से छोटे हैं। फैसले को अपने चुनाव परिणाम से जोड़ते हुए कहा कि मैं लाखों वोटों से जीता फिर भी धोखाधड़ी हुई, नहीं तो अंतर और बढ़ता बावजूद इसके भारी मतों से जीता। उन्होंने यहां तक कहा कि जो लोग बुरे, अनजान और शोर मचाने वाले हैं, वो चिल्लाकर बोलते हैं। ऐसा लगता है कि कुछ जज इससे डर गए और सही काम नहीं करना चाहते। जस्टिस गोरसच और जस्टिस बैरेट जो ट्रंप के द्वारा नियुक्त थे, ने भी खिलाफ में फैसला दिया, जबकि ब्रेट कैवनॉघ ट्रंप द्वारा नियुक्त वो जज थे, जिन्होंने पक्ष में फैसला सुनाया। मुख्य न्यायधीश जॉन रॉबर्ट्स द्वारा लिखे गए फैसले के कुछ घंटे बाद ट्रंप ने बौखलाहट भरी प्रतिक्रियाएं दीं कि टैरिफ पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला बेहद निराशाजनक है। कोर्ट के कुछ सदस्यों पर शर्म आ रही

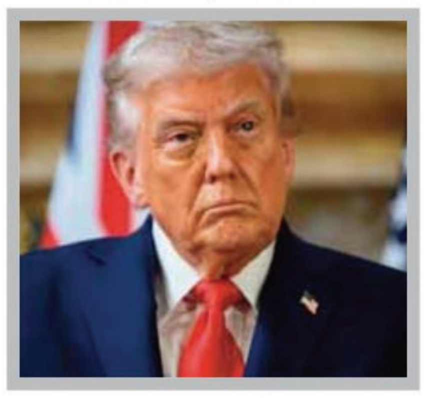

है, जो देश के लिए सही काम करने की हिम्मत नहीं कर पाए। निश्चित रूप इससे ट्रंप की साख गिरी है, न कि अमेरिकी सुप्रीम अदालत की। मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स के साथ बहुमत में न्यायाधीश नील गोरसच और एमी कोनी बैरेट भी शामिल थे। इनकी नियुक्ति ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में की थी। सहमति जताने वालों में न्यायाधीश क्लेरेंस थामस, सैमुअल एलिटो और ब्रेट कैवना थे जिनमें कैवना को ट्रंप ने नियुक्त किया था। इन्होंने असहमति मत में लिखा कि वास्तव में टैरिफ आयात को नियंत्रित करने का पारंपरिक और सामान्य उपकरण है तथा आइईईपीए का पाठ, इतिहास तथा पूर्व की तमाम मिसालें प्रशासन के पक्ष का समर्थन करती हैं। जज कैवना ने चेतावनी दी कि इस निर्णय से चीन, ब्रिटेन और जापान जैसे देशों के साथ हुए व्यापार समझौतों पर अनिश्चितता पैदा हो सकती है। हालांकि फैसले में यह साफ नहीं है कि कंपनियों को उन अरबों डॉलर का रिफंड मिलेगा या नहीं, जो दिसंबर 2025 तक ही अमेरिकी खजाने में करीब 133 अरब डॉलर से अधिक जमा हो चुके हैं। इनमें कुछ कंपनियां पहले ही निचली अदालतों में रिफंड का दावा पेश कर चुकी हैं। निश्चित रूप से ट्रंप की स्थिति बहुत मजाक वाली हो गई है। कहीं न कहीं वो हाशिए पर भी हैं। ट्रंप की खिसियाहट इसी से समझ आती है कि एक तो उन्होंने अदालत को भला-बुरा कह कर दुनिया को चौंकाया और यहां तक कि उनके द्वारा नियुक्त विरोध में फैसले देने वाले न्यायाधीशों को देश द्रोही और परिवार में कैसे मुंह दिखाएंगे, तक कह दिया। लगता है कि ट्रंप को न्याय में विश्वास नहीं है और देर-सबेर अमेरिका में यह मांग भी उठेगी कि भारत सहित तमाम देशों की न्याय पालिका के समान वाली साफ और निष्पक्ष व्यवस्था अमेरिका में भी हो, जिससे नियुक्त न्यायाधीश बिना किसी के दबाव में न्याय हित में काम कर सकें। हां, ट्रंप का एक और सुन्दर सपना टूट जरूर गया है लेकिन ट्रंप और विवादों का चोली-दामन का रिश्ता कब और क्या, कुछ नया कर दे, कोई नहीं जानता। फिलाहाल ट्रंप ने ग्लोबल टैरिफ लगाकर, जब चाहें तब बदलकर अपने ही देश की सर्वोच्च अदालत को एक तरह से चुनौती दे डाली। इससे पहले शांति का नोबल पुरस्कार न मिलने पर उनकी हरकतों को दुनिया ने देखा। यह सब उनके पद और गरिमा को देखकर अनुकूल नहीं था। लगता है वो अमेरिका के ऐसे राष्ट्रपति जरूर बनने की ओर हैं जो सबसे विवादित, सनकी, नासमझ और तानाशाह कहलाएंगे। बता दें कि, व्हाइट हाउस में अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली के साथ एक संयुक्त प्रेस कार्यक्रम के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने एक महिला पत्रकार से सवाल पूछने के लिए कहा। जब पत्रकार ने चीन की लैटिन अमेरिका में बढ़ती उपस्थिति को लेकर अमेरिका की भूमिका पर एक सवाल किया, तो ट्रंप ने जवाब देने के बजाय उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस की ओर मुड़कर कहा, 'मुझे बस उनकी बातें सुनना अच्छा लगता है।' इसके बाद दोनों को हंसते हुए देखा गया, और फिर ट्रंप ने वापस पत्रकार की ओर मुड़कर कहा, 'बशाबाश...शाबाश...शुक्रिया, डार्लिंग।' यह वीडियो ऑनलाइन तेजी से वायरल हो गया, जिसके बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने ट्रंप को आड़े हाथों लिया।

इससे पहले, ट्रंप ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को दिए गए एक अटपटे कॉम्प्लीमेंट को लेकर भी सुर्खियां बटोरी थीं। शर्म अल-शेख में एक गाजा शांति शिखर सम्मेलन के दौरान वैश्विक नेताओं को धन्यवाद देते समय ट्रंप ने मेलोनी की रखूबसूरतीर पर जोर दिया और पूछा कि क्या वह इस तारीफ से नाराज तो नहीं हैं। बहरहाल, ऐसे खिसियाए ट्रंप को देखकर लोग यही कह रहे हैं 'जिन्हें हम हार समझे थे गले अपने लगाने को, वही काले नाग बन बैठे हमें ही काट खाने को।'

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

## शहीदी दिवस

सुनील कुमार महला

# चंद्रशेखर आज़ाद : क्रांति, साहस व आत्मसम्मान की अमर गाथा

महान क्रांतिकारी, अदम्य साहस, अटूट देशभक्ति और आत्मसम्मान के प्रतीक चंद्रशेखर आज़ाद का आज 27 फरवरी को शहीद दिवस है। वर्ष 1931 में इसी दिन उन्होंने इलाहाबाद (अब प्रयागराज) के चंद्रशेखर आज़ाद पार्क (तत्कालीन अल्फ्रेड पार्क) में अंग्रेजों से घिर जाने पर वीरगति प्राप्त की। इनका जन्म 23 जुलाई 1906 को मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिले में हुआ तथा उनका बचपन झाबुआ जिले के भाबरा गांव में बीता, जहां उनके अधिकांश मित्र भील जनजाति के बालक थे। उनके साथ रहते हुए उन्होंने बचपन में ही धनुष-बाण चलाने में दक्षता हासिल कर ली, जो आगे चलकर उनकी अचूक निशानेबाजी का आधार बनी। इनका वास्तविक नाम चंद्रशेखर तिवारी था और 'आज़ाद' नाम उन्होंने स्वयं अदालत में घोषित किया था। दिसंबर 1921 में असहयोग आंदोलन में भाग लेने के कारण जब उन्हें गिरफ्तार किया गया तो मजिस्ट्रेट के सामने उन्होंने अपना नाम 'आज़ाद', पिता का नाम 'स्वतंत्रता' और पता 'जेलखाना' बताया। सजा के रूप में उन्हें 15 कोड़े लगाए गए, जिसके बाद से वे 'आज़ाद' के नाम से प्रसिद्ध हो गए।

उनकी माता जगरानी देवी चाहती थीं कि वे संस्कृत के विद्वान बनें, इसलिए उन्हें पढ़ाई के लिए वाराणसी के काशी विद्यापीठ भेजा गया, किंतु जलियांवाला बाग हत्याकांड ने उनकी सोच बदल दी और वे क्रांतिकारी मार्ग पर चल पड़े। उनकी जुबां पर अक्सर एक शेर रहता था-'दुश्मन की गोलियों का हम सामना करेंगे, आज़ाद ही रहे हैं, आज़ाद ही रहेंगे।' आज़ाद ने शपथ ली

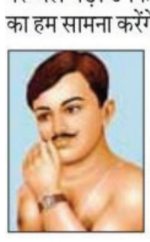

थी कि वे कभी अंग्रेजों के हाथ जीवित नहीं पकड़े जाएंगे और उन्होंने अंत तक अपने इस वचन को निभाया भी। वे भेष बदलने की कला में अत्यंत निपुण थे तथा कई बार पुलिस के सामने से निकल गए और उन्हें पता भी नहीं चला। पुलिस से बचने के लिए वे साधु/संन्यासी बनकर भी रहे और बच्चों को पढ़ाया। झांसी के पास ओरछा के जंगलों में उन्होंने 'पंडित हरिशंकर ब्रह्मचारी' नाम से संन्यासी रूप में निवास किया तथा साथियों को हथियार चलाने का प्रशिक्षण भी दिया। उनकी फुर्ती और तेज दिमाग के कारण साथी उन्हें 'क्विक सिल्वर' (पारा) कहते थे। वे क्रांतिकारी संगठन के वरिष्ठ नेता थे और युवाओं को प्रशिक्षण देते थे, जिनमें भगत सिंह भी शामिल थे। भगत सिंह उन्हें सम्मान से 'पंडित जी' कहते थे। दोनों की जोड़ी को 'आग और हवा' की तरह माना जाता था, जहां भगत सिंह वैचारिक रूप से गहरे थे, वहीं आज़ाद संगठन संचालन और क्रांतिकारी कार्रवाई में निपुण थे। महात्मा गांधी द्वारा 1922 में असहयोग आंदोलन स्थगित किए जाने के बाद वे हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचआरए) से जुड़े। क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए धन जुटाने हेतु 1925 में काकोरी ट्रेन कार्रवाई की गई। बाद में संगठन का पुनर्गठन कर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचएसआरए) बनाया गया, जिसकी स्थापना 1928 में दिल्ली के फिरोजशाह कोटला में आज़ाद, भगत सिंह, सुखदेव थापर और जोगेश चंद्र चटर्जी सहित अन्य साथियों ने की। उल्लेखनीय है कि आज़ाद 1929 में लॉर्ड इरविन की ट्रेन पर बम फेंकने की योजना में भी शामिल थे। 27 फरवरी 1931 को प्रयागराज के अल्फ्रेड पार्क में ब्रिटिश पुलिस ने उन्हें चारों ओर से घेर लिया। उन्होंने अपने साथी सुखदेव राज को सुरक्षित निकल जाने का अवसर दिया और स्वयं लगभग 40 मिनट तक अकेले पुलिस से लोहा लेते रहे। उस समय उनके पास केवल एक छोटी कोल्ट पिस्तौल थी। जब अंतिम गोली बची तो अपनी प्रतिज्ञा निभाते हुए उन्होंने स्वयं को गोली मार ली और वीरगति प्राप्त की। जानकारी मिलती है कि उनकी मृत्यु के बाद भी ब्रिटिश पुलिस उनके पास जाने से डर रही थी। पुष्टि करने के लिए दूर से उनके शरीर पर गोलियां चलाई गईं, तब जाकर वे पास पहुंचे। आज़ाद अत्यंत सादगीपूर्ण जीवन जीते थे। बहुत कम लोग ही जानते होंगे कि कई बार संगठन के लिए धन बचाने हेतु स्वयं भूखे रह जाते थे, लेकिन अपने साथियों की जरूरतें वे पहले पूरी करते थे। उनकी शहादत के बाद काफी समय तक उनकी माता को पूरी जानकारी नहीं दी गई थी, ताकि उन्हें गहरा सदमा न पहुंचे। निष्कर्षतः चंद्रशेखर आज़ाद ने अपना सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने युवाओं को यह संदेश दिया कि स्वतंत्रता, स्वाभिमान और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किसी भी समाज की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं। उनका जीवन हमें सिखाता है कि दृढ़ संकल्प, त्याग और साहस से असंभव प्रतीत होने वाले लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

# साधना से ही मिलता है वास्तविक सुख

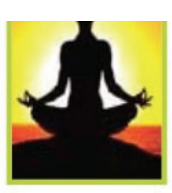

संकलित

दर्शन

अधिकांश व्यक्ति आज भौतिक मूल्यों के उपासक बन गए हैं। इस कारण जीवन के धर्म एवं मर्म को भुला बैठे हैं। उनकी इस उपासना ने दुनिया के बाह्य जगत को बड़ा सुहावना, लुभावना और आकर्षक बना दिया है। जबकि वास्तविक सुख आंतरिक सौंदर्य, अंतर्जगत की जागृति एवं अंतर्यात्रा से ही संभव है। भौतिक आकर्षण के पीछे मनुष्य दौड़ रहा है। यदि वह क्षण भर रुककर गंभीरता से सोचे तो उसे पता चलेगा कि यह सब भ्रम जाल है। जीवन वह नहीं, जिसे वह जी रहा है। संत एकनाथ ने कहा है कि धन जोड़कर भक्ति का दिखावा करने से कोई लाभ नहीं, क्योंकि ऐसा करने से मन में वासना और भी बढ़ जाएगी और जिनका चित्त वासना में फंसा हुआ है, उन्हें अंतरात्मा के दर्शन कैसे हो सकते हैं। वास्तविक सुख पाने के लिए व्यक्ति भक्ति यानी साधना की ओर प्रवृत्त होता है। स्थायी सुख की प्राप्ति भक्ति पर ही निर्भर है। भक्ति से मन को वश में करना है और मन को वश में करने का सरल उपाय है उसे परमात्मा के हेतु निरंतर भले कार्यों में लगाए रखना। महात्मा गांधी ने प्रेमा बहन के नाम लिखे पत्र में लिखा है-जो लोग कृष्ण-कृष्ण कहते हैं वे उसके पुजारी नहीं हैं। जो उनका काम करते हैं, वे ही पुजारी हैं। रोटी-रोटी कहने से पेट नहीं भरता, अपितु रोटी खाने से ही भरता है। मन को वश में लाने का अभ्यास अनेक प्रकार का होता है। इन अभ्यासों को ही भक्ति यानी साधना कहा गया है। जिस व्यक्ति ने स्वयं को शांति-अशांति, मान-अपमान और सुख-दुख से निर्लिप्त बना लिया है, वही निर्विघ्न शांति में स्थित रह सकता है।

# गरीब विद्वान व राजा भोज, बने भाई-भाई

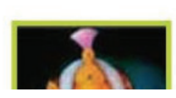

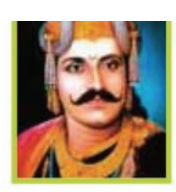

संकलित

प्रेरणा

कई वर्ष पहले धार में राजा भोज का शासन था। उस राज्य में एक गरीब विद्वान रहता था। आर्थिक तंगी से घबराकर एक दिन विद्वान की पत्नी ने उससे कहा-आप राजा भोज के पास क्यों नहीं जाते? वह विद्वानों का बड़ा आदर करते हैं। हो सकता है आपकी विद्वता से प्रभावित होकर वह आपको ढेर सारा धन दे दें। विद्वान राजा के दरबार में पहुंचा। पहरेदार ने पूछाः आप कौन हैं? कहां जाना है? विद्वान ने कहाः जाओ राजा से कहो कि उनका भाई आया है। पहरेदार ने जब भोज को यह बात बताई तो.. वह सोचने लगेः मेरा तो कोई भाई है नहीं है फिर कौन हो सकता है। कहीं कोई धूर्त तो नहीं। उनकी उत्सुकता जागी। उन्होंने विद्वान को बुलवा लिया। 'कैसे हुए भाई-भाई' भोज ने विद्वान से पूछाः क्या तुम मेरे भाई हो? किस नाते से? विद्वान ने कहाः मैं आपका मौसेरा भाई हूं। आपकी मौसी का लड़का। भोज ने पूछाः कैसे? मेरी तो कोई मौसी नहीं है। विद्वान बोलाः महाराज। आप संपत्ति माता के पुत्र हैं और मैं विपत्ति माता का पुत्र। संपत्ति और विपत्ति बहनें हैं। इस नाते मैं आपका मौसेरा भाई हुआ न। यह सुनकर भोज बेहद प्रसन्न हुए। उन्होंने ढेर सारी स्वर्ण मुद्राएं विद्वान को दीं। फिर भोज ने पूछाः मेरी मौसी तो कुशल हैं न? इस पर विद्वान ने जवाब दियाः राजन, जब तक आपकी मौसी जीवित थीं, आपके दर्शन नहीं हुए थे। अब आपके दर्शन हुए तो आपकी मौसी स्वर्ग सिधार गईं। इस उत्तर से भोज को और भी प्रसन्नता हुई। उन्होंने विद्वान को गले से लगा लिया।

## सटाका

## आज की पाती

### विधायकों के भत्ते या फिज़ूलखर्ची

लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनप्रतिनिधियों को मिलने वाली सुविधाएं हमेशा चर्चा और बहस का विषय रही हैं। वेतन और भत्तों का मूल उद्देश्य यह माना जाता है कि निर्वाचित प्रतिनिधि आर्थिक चिंता से मुक्त होकर जनता की सेवा कर सकें। लेकिन जब इन सुविधाओं का आकार बढ़ता है और उनके उपयोग में पारदर्शिता कम दिखाई देती है, तो स्वाभाविक रूप से सवाल उठते हैं। हाल ही में बिहार विधानसभा द्वारा विधायकों और विधान पार्षदों के लिए मासिक टेलीफोन भत्ता बढ़ाकर 8300 रुपए करने का निर्णय सामने आया है। इस फैसले की सबसे खास बात यह है कि यह राशि बिना किसी बिल या वाउचर के दी जाएगी। यानी खर्च का प्रमाण देना अनिवार्य नहीं होगा। यही कारण है कि यह विषय अचानक सार्वजनिक चर्चा का केंद्र बन गया है। - ललित बंझोर, रायपुर

## ट्रेंड

### मल्टीट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स

हमारी सरकार ने गोंदिया-जबलपुर, पुनारख-किऊल और गम्हरिया-चांडिल के बीच तीन मल्टीट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं से महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड में आर्थिक विकास तेज होने के साथ-साथ रोजगार और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।
- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

### आतंकवाद स्वीकार नहीं

भारत और इजरायल पूरी तरह से स्पष्ट हैं कि आतंकवाद का दुनिया में कोई स्थान नहीं है। किसी भी रूप में, किसी भी अभिव्यक्ति में, आतंकवाद को स्वीकार नहीं किया जा सकता।हम कंधे-से-कंधा मिलाकर आतंकवाद और उनके समर्थकों का विरोध करते रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे।
-पियुष गोयल, केंद्रीय उद्योग मंत्री

### गोवा में मिला अवसर

गोवा ने हमें एक छोटा सा अवसर दिया है, हम पूरी ईमानदारी और क्षमता से काम कर रहे हैं। हमें पूरे राज्य की सेवा करने का मौका दीजिए, और हम शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, सड़कें, बिजली और पानी जैसी व्यवस्थाओं में पंजाब की तर्ज पर बदलाव लाएंगे।
-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

### ट्रंप की धमकी

आप सब जानते हैं, रूस हमारा पुराना दोस्त, हमको तेल बेचता था, ईरान हमको तेल बेचता था, हम सस्ते में वहां से लेते थे, लेकिन ट्रंप ने धमकी दी और ये बोले- यस सर। ट्रंप जो कहते हैं उसको- यस सर।
-मल्लिकार्जुन खरगे, अध्यक्ष, कांग्रेस

## करंट अफेयर

# ब्रिटेन में हिंदू मंदिर के बंद होने का खतरा

पूर्वी ब्रिटेन के पीटरबरो शहर में एक परिसर में मौजूद 40 साल पुराने हिंदू मंदिर और कम्युनिटी सेंटर के बंद होने का डर है, क्योंकि स्थानीय प्राधिकारियों ने इस भवन को बेचने के फैसले को सही ठहराया है जो मंदिर के लिए किराये पर दिया गया है। भारत हिंदू समाज मंदिर की स्थापना 1986 में शहर के न्यू इंग्लैंड कॉम्प्लेक्स में हुई थी और कैम्ब्रिजशायर, नॉरफॉक तथा लिंकनशायर के बड़े इलाके के 13,000 से अधिक हिंदू यहां दर्शन करने आते हैं। मंदिर प्रशासन पीटरबरो सिटी काउंसिल से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग करते हुए अभियान चला रहा है। इस महीने की शुरुआत में काउंसिल कैबिनेट की बैठक में यह कहा गया कि संपत्ति की बिक्री से करदाताओं के लिए सर्वश्रेष्ठ मूल्य दिलाने की उसकी कानूनी जिम्मेदारी/" है। वहीं, मंदिर ने एक बयान में कहा, हम भारत हिंदू समाज से जुड़े भवन की बिक्री की कड़ी निंदा करते हैं। समुदाय द्वारा बनाई गई संस्था को बंद दरवाजों के पीछे बिना पारदर्शिता या सहमति के नहीं बेचा जाना चाहिए। इसमें कहा गया, ''यह सिर्फ संपत्ति के बारे में नहीं है, बल्कि विरासत, भरोसे और जवाबदेही के बारे में है। समुदाय जवाब पाने का हक रखता है, गोपनीयता का नहीं। इस फैसले पर सवाल उठाए जाने चाहिए और इसका विरोध किया जाना चाहिए।''

## ऑफ बीट

# मानसिक समस्या जितनी गंभीर, सहानुभूति उतनी कम

समाज में चिंता (एंग्जायटी), अवसाद (डिप्रेशन) और एडीएचडी जैसी कुछ मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों को पहले की तुलना में अब अधिक स्वीकार्यता मिली है। लोग अब कार्यस्थल, घर और सोशल मीडिया पर इनके बारे में खुलकर बात कर पाते हैं और अक्सर उन्हें सलाह भी मिलती है। यह बदलाव महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे मदद मांगना आसान हुआ है और संस्थानों के लिए मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को आधार बना कर कड़े कदम उठाना कठिन हो गया। लेकिन सार्वजनिक सहानुभूति समान रूप से नहीं मिलती है। कुछ स्थितियां व्यापक रूप से समझी जाती हैं, जबकि अन्य को अब भी संदेह और कठोर निर्णय का सामना करना पड़ता है। जैसे-जैसे लोग कुछ बीमारियों से परिचित होते जाते हैं, वे बीमारियां मानसिक रोग की /"स्वीकार्य/" छवि तय करने लगती हैं। जो लक्षण इस छवि में फिट नहीं बैठते, उन्हें अलग नजर से देखा जाता है। यहां बात 'अस्वीकार्यता' से संबंधित है। शोध से पता चलता है कि अवसाद और चिंता के प्रति सामाजिक नजरिया नर्म है, जबकि शिजोफ्रेनिया और व्यक्तित्व विकारों (जैसे बॉर्डरलाइन या नार्सिसिस्टिक पर्सनैलिटी डिसऑर्डर) के प्रति समाज में अधिक दूरी और भय वाली सोच है। नौ अलग-अलग निदानों पर किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि लोगों द्वारा दूरी बनाए रखने की इच्छा शिज़ोफ्रेनिया और पर्सनैलिटी डिसऑर्डर के मामलों में सबसे अधिक थी।

# औद्योगिक भविष्य को नयी दिशा देगा सिंगापुर-जापान दौरा

## सिंगापुर, टोक्यो और यामानाशी में उद्यमियों को दिया प्रदेश में निवेश का आमंत्रण

विशेष संवाददाता

- सीएम ने 60 से अधिक औपचारिक संवादों व कार्यक्रमों में लिया हिस्सा
- ग्रीन एनर्जी, लॉजिस्टिक्स से लेकर सेमीकंडक्टर तक सहयोग के नए रास्ते खुले

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपनी चार दिवसीय सिंगापुर व जापान की आधिकारिक यात्रा पूर्ण कर शुक्रवार सुबह लखनऊ लौट आए। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने इस दौरे को उत्तर प्रदेश के औद्योगिक भविष्य को नई दिशा देने वाला बताया। चार दिनों तक निरंतर चले विदेशी दौरे में सीएम योगी का कार्यक्रम काफी व्यस्त रहा। इस दौरान दोनों देशों में लगभग 60 से अधिक औपचारिक संवाद और कार्यक्रम आयोजित हुए। इस दौरान तीन बड़े निवेश रोड शो भी आयोजित किए गए, जिसमें एक सिंगापुर में, दूसरा टोक्यो में और तीसरा जापान के प्रमुख प्रांत यामानाशी में संपन्न हुआ। दोनों देशों में आयोजित इन कार्यक्रमों में कुल मिलाकर लगभग 450 से 500 निवेशक, उद्योगपति तथा वित्तीय संस्थानों के शीर्ष प्रतिनिधि शामिल हुए, जो उत्तर प्रदेश में निवेश की संभावनाओं को लेकर गंभीर और उत्साहित दिखे।

सीएम योगी की इस यात्रा के दौरान प्रदेश सरकार को 1.5 लाख करोड़ रुपये के एमओयू तथा 2.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इन निवेश प्रस्तावों के धरातल पर उतरने से 5 लाख से अधिक युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री की इन बैठकों में राज्य की औद्योगिक नीतियों, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, कानून-व्यवस्था और विशाल उपभोक्ता बाजार की विशेषताओं को विस्तार से प्रस्तुत किया गया।

दौरे के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में समझौता ज्ञापनों और निवेश प्रस्तावों पर सहमति बनी। इनमें ग्रीन हाइड्रोजन, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, डेटा सेंटर, लॉजिस्टिक्स, डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग, स्किल डेवलपमेंट और शहरी अवसंरचना प्रमुख रहे। मुख्यमंत्री ने इन्वेस्ट यूपी और संबंधित विभागों को इन निवेश प्रस्तावों को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। सीएम योगी का यह दौरा न केवल निवेश आकर्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा, बल्कि इससे उत्तर प्रदेश की वैश्विक पहचान और आर्थिक संभावनाओं को भी नई मजबूती मिली है।

# यामानाशी संग ग्रीन हाइड्रोजन गठजोड़ से यूपी में पड़ी हरित ऊर्जा की नींव

## जापान की ग्रीन एनर्जी तकनीक का मिलेगा प्रदेश के उद्योगों को भारी लाभ | पावर टू गैस तकनीक और स्वच्छ ऊर्जा मॉडल से घटेगा कार्बन | ग्रीन हाइड्रोजन भविष्य की ऊर्जा का आधार बनेगा : योगी आदित्यनाथ

विशेष संवाददाता।

**लखनऊ।** ग्रीन एनर्जी में उत्तर प्रदेश को वैश्विक मानचित्र पर अग्रणी स्थान दिलाने में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जापान यात्रा मील का पत्थर साबित होगी। यामानाशी प्रांत के साथ हुए एमओयू में ग्रीन हाइड्रोजन को सहयोग का केंद्रीय आधार बनाया गया है। इसमें उत्पादन, अत्याधुनिक तकनीकी साझेदारी, अनुसंधान, कौशल प्रशिक्षण और औद्योगिक उपयोग के व्यापक आयाम शामिल हैं।

ऊर्जा आत्मनिर्भरता, औद्योगिक प्रतिस्पर्धा और नेट जीरो लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में यह एक ऐतिहासिक और दूरगामी कदम है, जो उत्तर प्रदेश को स्वच्छ ऊर्जा क्रांति का नेतृत्वकर्ता बना सकता है। उत्तर प्रदेश सरकार के बजट 2026-27 में अतिरिक्त ऊर्जा विकास के लिए 2,104 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

यामानाशी को ग्रीन हाइड्रोजन तकनीक के मामले में अग्रणी क्षेत्र माना जाता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां स्थित अत्याधुनिक हाइड्रोजन ऊर्जा सुविधा केंद्र का दौरा कर पावर टू गैस प्रणाली का विस्तृत अवलोकन किया। इस प्रणाली के अंतर्गत सौर और पवन ऊर्जा से उत्पादित बिजली को इलेक्ट्रोलिसिस के माध्यम से हाइड्रोजन में परिवर्तित किया जाता है। यह हाइड्रोजन ऊर्जा भंडारण, ईंधन और स्वच्छ परिवहन में उपयोग की जाती है, जिससे कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आती है। सीएम योगी ने स्पष्ट किया है कि उत्तर प्रदेश में भी इस मॉडल को अपनाने की संभावनाओं पर कार्य किया जाएगा। ग्रीन हाइड्रोजन सहयोग का सबसे महत्वपूर्ण पहलू शैक्षणिक और तकनीकी प्रशिक्षण है। समझौते के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के उच्च तकनीकी संस्थानों के विद्यार्थी यामानाशी के संस्थानों में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। वहां वे हाइड्रोजन उत्पादन, भंडारण, सुरक्षा मानकों और औद्योगिक उपयोग की उन्नत तकनीकों के बारे में जानेंगे। इन विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान नहीं, बल्कि व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, ताकि लौटकर वे प्रदेश की इंडस्ट्री, पब्लिक ट्रांसपोर्ट और ऊर्जा परियोजनाओं में इस तकनीक को लागू कर सकें।

आईआईटी कानपुर में ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित किया जा रहा है। यह केंद्र अनुसंधान, नवाचार और उद्योग साझेदारी का प्रमुख मंच बनेगा। यहां उत्पादन लागत कम करने, सुरक्षित भंडारण प्रणाली विकसित करने और ग्रीन मोबिलिटी समाधान पर शोध किया जाएगा। इसके माध्यम से योगी सरकार का उद्देश्य अकादमिक शोध को सीधे औद्योगिक उपयोग से जोड़ना है।

उत्तर प्रदेश के प्राकृतिक संसाधन इस पहल के लिए अनुकूल माने जा रहे हैं। ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन के लिए स्वच्छ जल और अक्षय ऊर्जा आवश्यक है। प्रदेश में प्रचुर जल संसाधन और तेजी से बढ़ती सौर ऊर्जा क्षमता को देखते हुए बड़े पैमाने पर हाइड्रोजन उत्पादन की संभावनाएं मौजूद हैं। सरकार अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं को हाइड्रोजन उत्पादन से जोड़ने की रणनीति पर काम कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि ग्रीन हाइड्रोजन भविष्य की ऊर्जा का आधार बनेगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश रिएक्टिव नहीं, बल्कि प्रोएक्टिव नीति के अंतर्गत भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए अभी से तैयारी कर रहा है। जापान के साथ तकनीकी सहयोग से प्रदेश को वैश्विक मानकों वाली तकनीक और विशेषज्ञता प्राप्त होगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि प्रशिक्षण, अनुसंधान और औद्योगिक उपयोग की यह त्रिस्तरीय रणनीति उत्तर प्रदेश को देश में ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने वाला बनाएगा। यामानाशी के साथ यह साझेदारी केवल एक समझौता नहीं, बल्कि हरित और स्वच्छ ऊर्जा आधारित औद्योगिक भविष्य की ठोस नींव के रूप में देखी जा रही है। उत्तर प्रदेश ने ग्रीन हाइड्रोजन की दिशा में ठोस कदम उठाने की शुरूआत पहले ही कर दी है। गोरखपुर जिले खानीपुर गांव में देखने को मिला जहां प्रदेश के पहले ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट का उद्घाटन स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कर चुके हैं। यह परियोजना देश के सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर में अब तक की सबसे बड़ी ग्रीन हाइड्रोजन और प्राकृतिक गैस मिश्रण की पहल है। इस संयंत्र के माध्यम से ग्रीन हाइड्रोजन को सीएनजी और पीएनजी में मिलाकर घरेलू उपभोक्ताओं उद्योगों और परिवहन क्षेत्र तक पहुंचाया जा रहा है। अनुमान है कि इससे हर वर्ष लगभग 500 टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी। यह पहल बताती है कि उत्तर प्रदेश केवल भविष्य की योजनाओं की बात नहीं कर रहा बल्कि वर्तमान में भी ठोस परिणाम दे रहा है।

# राज्यपाल ने दिव्यांगजनों को वितरित किये व्हीलचेयर व अन्य आवश्यक उपकरण

विशेष संवाददाता।

- राज्यपाल द्वारा विवेकाधीन कोष से सेवा कार्य के लिए समर्पित बस को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

**लखनऊ/गाजीपुर।** राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शुक्रवार को गाजीपुर के पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों, उनके परिजनों एवं महिलाओं के साथ संवाद किया। उन्होंने संवाद स्थापित कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और दिव्यांगजनों को रिफ्रेशमेंट एवं व्हीलचेयर व अन्य आवश्यक उपकरण वितरित किए।

राज्यपाल ने बच्चों से उनकी शिक्षा, रुचियों, उपलब्धियों एवं भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि दिव्यांगता किसी की प्रतिभा और क्षमता में बाधा नहीं बन सकती। दृढ़ संकल्प, निरंतर प्रयास और सकारात्मक सोच के साथ वे जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर दिव्यांग बच्चों द्वारा तारे जमीन पर गीत पर भावपूर्ण सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई, जिसे राज्यपाल द्वारा सराहा गया।

इस अवसर पर राज्यपाल द्वारा विवेकाधीन कोष से सेवा कार्य के लिए समर्पित बस को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष सपना सिंह, पुलिस अधीक्षक डा. ईरज राजा, मुख्य राजस्व अधिकारी आयुष चौधरी, अपर जिलाधिकारी दिनेश कुमार, युवा समाजसेवी सिद्धार्थ राय एवं समस्त जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

# मुख्यमंत्री धामी ने किया मां पूर्णागिरी मेले का शुभारंभ

प्रमुख संवाददाता

**चम्पावत (उत्तराखंड)।** हिमालय की गोद में अवस्थित पूर्णागिरि धाम में वार्षिक पूर्णागिरि मेले का विधिवत शुभारंभ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पूजा-अर्चना और दर्शन के साथ किया। उन्होंने कहा कि यह मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आस्था, प्राकृतिक सौंदर्य और समग्र विकास का संगम है, जो देवभूमि की सांस्कृतिक चेतना को जीवंत करता है।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि पूर्णागिरि धाम कुमाऊं क्षेत्र की आध्यात्मिक पहचान का केंद्र है, जहां हर वर्ष लाखों श्रद्धालु मां के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। यहां की शांत वादियां और पवित्र वातावरण श्रद्धालुओं को आत्मिक शांति प्रदान करते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार इस धाम को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कर वर्षभर सक्रिय रहने वाले प्रमुख आध्यात्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य कर रही है। मेले की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के लिए स्थायी ढांचागत विकास पर विशेष जोर दिया जा रहा है। संपर्क मार्गों का चौड़ीकरण, पार्किंग स्थलों का विस्तार, स्वच्छ पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता सुविधाएं और यात्री विश्राम गृहों का निर्माण प्राथमिकता में शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि मानसखंड मंदिर सर्किट के अंतर्गत कुमाऊँ के प्रमुख मंदिरों का समग्र विकास किया जा रहा है। इस योजना से मंदिर परिसरों का सौंदर्यीकरण, यात्रा सुविधाओं का उन्नयन और बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जाएगी, जिससे धार्मिक पर्यटन को नई दिशा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने पूर्णागिरि धाम को आसपास के धार्मिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक स्थलों से जोड़ते हुए एक विशेष पर्यटन सर्किट विकसित करने की घोषणा की। इस सर्किट में साहसिक पर्यटन गतिविधियों को भी शामिल किया जाएगा, जिससे चम्पावत जिला श्रद्धा और रोमांच का साझा केंद्र बन सके। उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के व्यापक अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने श्यामलाताल के सौंदर्यीकरण के लिए पांच करोड़ रुपये स्वीकृत किए जाने की जानकारी भी दी। झील क्षेत्र को आकर्षक पर्यटन स्थल और वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने की योजना पर कार्य किया जा रहा है, जिससे पर्यटन की विविध संभावनाओं को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने मेला क्षेत्र के व्यापक कायाकल्प के लिए छह महत्वपूर्ण घोषणाएं करते हुए सौंदर्यीकरण, सड़क सुधार, भव्य प्रवेश द्वार निर्माण और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार का रोडमैप प्रस्तुत किया। उन्होंने जिला प्रशासन को निर्देश दिए कि सभी परियोजनाएं समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण की जाएं।

उद्घाटन समारोह में केंद्रीय मंत्री अजय टमटा सहित जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

# ओबीसी योजनाओं व आरक्षण संबंधी विषयों पर समीक्षा

- उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग की बैठक सम्पन्न

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग की बैठक शुक्रवार को आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में उपाध्यक्ष सोहन लाल श्रीमाली एवं आयोग के सदस्यगण उपस्थित रहे। बैठक में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के उत्थान एवं विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित ओबीसी कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करते हुए यह सुनिश्चित करने पर बल दिया गया कि योजनाओं का लाभ पात्र वर्ग तक प्रभावी रूप से पहुंचे। आयोग ने अन्य पिछड़ा वर्ग को नियुक्ति एवं शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण दिए जाने से संबंधित प्राप्त शिकायतों पर भी चर्चा की। इसके साथ ही जातियों के सम्मिलन एवं निष्कासन से संबंधित प्राप्त प्रत्यावेदनों पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों को मिल रहा है या नहीं, इसकी जनपदवार समीक्षा कराई जाएगी। इसके लिए संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने पर सहमति बनी। आयोग ने कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग के सामाजिक, शैक्षिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए सरकार प्रतिबद्ध है और आयोग इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा।

# राष्ट्रपति ने भारत-पाक सीमा के पास स्वदेशी हेलीकॉप्टर प्रचंड में भरी उड़ान

एजेंसी

जयपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राजस्थान के जैसलमेर जिले में भारत-पाक सीमा के पास स्वदेशी हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर (एलसीएच) प्रचंड में उड़ान भरी।

भारतीय सेना की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति मुर्मू ने आलिव ग्रीन रंग की वर्दी और हेलमेट पहन प्रचंड में बतौर सह-पायलट उड़ान भरी। आधिकारिक बयान के अनुसार यह मिशन दो विमानों के एलसीएच फॉर्मेशन के रूप में क्रियान्वित किया गया। राष्ट्रपति मुर्मु ने ग्रुप कैप्टन नयन शांतिलाल बहुआ के साथ पहले विमान में उड़ान भरी जबकि वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और ग्रुप कैप्टन ए महेंद्र दूसरे विमान में नंबर दो के रूप में सवार थे। लगभग 25 मिनट के इस मिशन के दौरान, उन्होंने गडिसर झील और जैसलमेर किले के ऊपर से उड़ान भरी और एक टैंक लक्ष्य पर हमला किया। उन्होंने उड़ान के दौरान दिए अपने संदेश में प्रचंड को आत्मनिर्भरता का सशक्त प्रतीक बताया। उन्होंने कहा, प्रचंड हेलीकॉप्टर आत्मनिर्भरता का प्रबल प्रतीक है। इस समय मैं जैसलमेर के प्रसिद्ध किले के ऊपर से उड़ान भर रही हूं। मैं देश के वीर बहादुर सैनिकों को अत्यंत गर्व के साथ बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूं। आप लोगों को मेरा प्यार भरा नमस्कार... जय हिंद, जय भारत। इस प्रचंड हेलिकॉप्टर ने जैसलमेर वायुसेना स्टेशन से उड़ान भरी। उड़ान से पहले कैप्टन ने राष्ट्रपति को जानकारी दी। राष्ट्रपति ने उड़ान भरने से पहले कॉकपिट से हाथ हिलाकर अभिभावन किया। इस लगभग 25 मिनट की उड़ान में प्रचंड पोकरण फायरिंग रेंज के ऊपर से उड़ा जहां वायुसेना आज शाम वायु शक्ति अभ्यास करेगी। राष्ट्रपति मूर्मू भी इस अभ्यास को देखेंगी।

बाद में आगंतुक पुस्तिका में राष्ट्रपति ने संक्षिप्त टिप्पणी लिखकर अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। इसमें उन्होंने लिखा, भारत के स्वदेशी रूप से विकसित हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर प्रचंड में उड़ान भरना मेरे लिए एक समृद्ध अनुभव रहा है। इस उड़ान ने मुझे राष्ट्र की रक्षा क्षमताओं पर नए सिरे से गर्व का अनुभव कराया है। मैं भारतीय वायुसेना और वायुसेना स्टेशन जैसलमेर की पूरी टीम को इस उड़ान के सफल आयोजन के लिए बधाई देती हूं।

# गोरखपुर का रंगपर्व : सीएम योगी के संग बरसेंगे समरसता के रंग

**गोरखपुर।** गोरक्षपीठ की सहभागिता से सामाजिक समरसता का संदेश देने वाला गोरखपुर का रंगपर्व पूरे देश की नजर में होता है। होलियाना माहौल में महानगर में निकलने वाली दो प्रमुख शोभायात्राएं समरसता का संदेश देते हुए आकर्षण का केंद्र बनती हैं। एक शोभायात्रा होलिकादहन के दिन शाम को और दूसरी होली के दिन सुबह निकाली जाती है। इन दोनों शोभयात्राओं में गोरक्षपीठ का गहरा नाता होने से गोरखपुर का रंगपर्व दशकों से विशिष्ट बना हुआ है। इन शोभायात्राओं में समतामूलक समाज का प्रतिबिंब नजर आता है। बतौर गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री बनने के बाद भी तमाम व्यस्तताओं के बावजूद शोभायात्राओं में शामिल होते हैं। इस साल भी 2 मार्च की शाम को होलिकादहन पर पांडेयहाता से निकलने वाली भक्त प्रह्लाद की शोभायात्रा तथा 4 मार्च की सुबह घंटाघर से निकलने वाली भगवान नृसिंह की रंगभरी शोभायात्रा में सीएम योगी के सम्मिलित होने की उम्मीद है। बतौर गोरक्षपीठाधीश्वर रंगपर्व के आयोजनों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सहभागिता गोरक्षपीठ के मूल में निहित संदेश के प्रसार का हिस्सा है। रंगों के प्रतीक रूप में उमंग व उल्लास का पर्व होली गोरक्षपीठ के सामाजिक समरसता अभियान का ही एक हिस्सा है। इस पीठ की विशेषताओं में छुआछूत, जातीय भेदभाव और ऊंच नीच की खाई पाटने का जिक्र सतत होता रहा है। समाज मे विभेद से परे लोक कल्याण ही नाथपंथ का मूल है और ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ, ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ द्वारा विस्तारित इस अभियान की पताका वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ फहरा रहे हैं। गोरक्षपीठ की अगुवाई वाला रंगोत्सव सामाजिक संदेश के ध्येय से विशिष्ट है। सामाजिक समरसता का स्नेह बांटने के लिए ही गोरक्षपीठाधीश्वर दशकों से होलिकोत्सव (भगवान नृसिंह शोभायात्रा) में शामिल होते रहे हैं। 1996 से 12019 तक शोभायात्रा का नेतृत्व करने वाले योगी वर्ष 2020 और 2021 के होलिकोत्सव में लोगों को कोरोना संक्रमण से बचाने के लिए इसमें शामिल नहीं हुए थे। सफल कोरोना प्रबंधन का पूरी दुनिया में लोहा मनवाने और इस वैश्विक महामारी को पूरी तरह काबू में करने के बाद सीएम योगी 2022 से पांडेयहाता से निकलने वाले होलिकादहन के दिन भक्त प्रह्लाद की शोभायात्रा और घंटाघर से निकलने वाली भगवान नृसिंह होलिकोत्सव शोभायात्रा में सम्मिलित होने लगे।


**न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) भैयाथान, जिला सूरजपुर (छ०ग०)**

**ईश्तहार**

**रा०प्र०क० /अ-2/2025-26**

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत बतरा नगर पंचायत/नगर पालिका परिषद जिला सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि श्री राजेन्द्र तिवारी पिता/पति श्री स्व कैलाश तिवारी निवासी बतरा के द्वारा अपने स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि खसरा नं० 609/1 रकबा 0.10 हे० जो ग्राम बतरा प.ह.नं 21 रा०नि०म० भटगांव तहसील भटगांव जिला सूरजपुर में स्थित है के व्यवसायिक भू-परिवर्तन (डायवर्सन) हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में ग्राम पंचायत/नगर पंचायत/नगर पालिका निगम क्षेत्र के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से प्रकरण में नियत दिनांक 13/03/2026 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 27/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलय की मुद्रा से जारी किया गया है।

अनुविभागीय अधिकारी (रा०)
भैयाथान जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

**न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) धौरपुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)**

**ईश्तहार**

**रा०प्र०क्र०../अ-2/2025-26**

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्राम लमगांव को सूचित किया जाता है कि आवेदक मौसमी जायसवाल पति भुनेश्वर प्रसाद जायसवाल, जाति जायसवाल, निवासी ग्राम खुखरी, तहसील राजपुर, जिला बलरामपुर (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम लमगांव, तहसील लुण्ड्रा (धौरपुर) स्थित खसरा नंबर 1497/29, 1497/34 रकबा क्रमशः 0.655, 0.422 हे0 भूमि को कृषि भिन्न से व्यवसायिक प्रयोजन व्यपवर्तन कराने के लिए बी-1, खसरा इत्यादि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 13/03/2026 को मेरे न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 27/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
धौरपुर,

**न्यायालय नजूल अधिकारी सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ०ग०)**

**रा.प्र.क्र.**

**ईश्तहार**

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता / संस्था / विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदकगण शैलेन्द्र कुमार जायसवाल व अन्य 1 निवासी वार्ड नम्बर 6, मकान नम्बर 177, 184 मेन रोड सूरजपुर जिला सूरजपुर छ.ग. द्वारा नामांतरण/ फौती दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि आवेदक के पिता स्व. स्वराजी लाल जायसवाल के नाम पर नजूल भूमि खसरा नम्बर 1913/7, 1913/12 रकबा क्रमशः 1215, 1215 वर्गफुट स्थित है। स्व. स्वराजी लाल जायसवाल की मृत्यु दिनांक 20. 06.2017 को हो गयी है, उनकी धर्मपत्नी श्रीमति उशा जायसवाल जी की मृत्यु दिनांक 20.12. 2013 को हो चुका है। आवेदकगण भूमिस्वामी स्व. स्वराजी लाल जायसवाल के पुत्र हैं, मृत्यु प्रमाण पत्र संलग्न कर नामांतरण दर्ज कराये जाने का अनुरोध आवेदकगण द्वारा किया गया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है। अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था / विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक / लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 13/03/2026 को न्यायलयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 27/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ.ग.)

**न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) / सक्षम प्राधीकारी पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ.ग.)**

**//उदघोषणा//**

**कमांक/145/मावक-1/व्यपवर्तन/2026**

**पत्थालगांव, दिनांक 18/02/2026**

एत द्वारा समस्त आम जनता ग्राम पत्थलगांव प.ह.न. 06. तहसील पत्थलगांव जिला जशपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदिका प्रावती देवी पति स्व. मदनलाल अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी ग्राम रायगढ़ रोड पत्थलगांव जिला जशपुर (छ.ग.) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम पत्थलगांव में आवेदक के नाम पर भूमि खसरा नं० 297/3/7 सामिल नं0 303/ग/7 एवं खन 303/15/3. रकबा 0.020 है० भूमि राजस्य अभिलेखों में भूमि स्वामी हक में दर्ज है। उक्त भूमि का आवासीय प्रयोजन के लिए इस न्यायालय के रा. प्र.क्र. 03/31-2/1976-1977 में आदेश दिनांक 27.05.1977 को तथा रा. प्र. क्र. 57/अ-2/1984-1985 में आदेश दिनांक 28.09.1985 को पारित किया गया है। आवेदक द्वारा भूमि भूमि खसरा नं0 297/3/7 सामिल नं0 303/म/7 एवं अ. नं. 303/17/3 रकबा 0.020 हे० के डायवर्सन का आवासीय प्रयोजन हेतु पुनर्निधारण किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है उक्त मामले की सुनवाई दिनांक 09.03.2026 को स्थान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पत्थलगांव के न्यायालय में न्यायालयीन समय प्रातः 10.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक होना नियत किया गया है, अतः इसमें जिस किसी भी व्यक्ति को दावा / आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत दिनाक/ समय / स्थान को मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त किसी भी दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 18/02/2026 को मेरे हड्?ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
सक्षम प्राधीकारी पत्थलगांव, जिला-जशपुर

# जगदलपुर के वृहद किसान सम्मेलन में उप मुख्यमंत्री शर्मा हुए शामिल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बिलासपुर से प्रदेश के 25 लाख किसानों को 10 हजार 328 करोड़ रुपए से अधिक राशि किसानों के खातों में हस्तांतरित किया। इस कार्यक्रम में वर्चुअली जगदलपुर के वीर सावरकर भवन में आयोजित आदान सहायता कार्यक्रम एवं वृहद किसान सम्मेलन से उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा भी शामिल हुए। इस दौरान उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने अपने वादे के मुताबिक समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की अंतर की राशि को एकमुश्त देकर किसानों की होली त्योहार की खुशी को दुगुनी कर दी है। राज्य सरकार किसानों के हितों

के लिए संवेदनशील होकर पहल कर रही है और वर्तमान बजट में भी उनकी सहायता के लिए अनेक किसान हितैषी प्रावधान किया गया है। जिससे किसानों को उन्नत खेती किसानी के लिए सहूलियत होगी। उन्होंने सहकार से समृद्धि को रेखांकित करते हुए कहा कि बस्तर में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने सहित लघु वनोपज संग्रहण एवं प्रसंस्करण के लिए सहकारी समितियों एवं महिला स्व सहायता समूहों को हरसंभव मदद देने, सिंचाई संसाधनों को बेहतर बनाने प्रयास किया जा रहा है ताकि यहां के निवासियों की आमदनी बढ़े और बस्तर की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो। उन्होंने बस्तर की बेहतरी और तरक्की में समाज की व्यापक सहभागिता पर जोर देते हुए इस दिशा में सभी को मिलजुल कर कार्य करने का आव्हान किया। इस मौके पर स्थानीय विधायक किरण देव ने हल्बी में संबोधित करते हुए किसानों को होली त्योहार की हार्दिक बधाई दी और कहा कि हमारी सरकार के निर्णय से किसानों के परिवारों में उत्सव का माहौल है उनकी होली की खुशियां बढ़ गई है। यह हमारी सरकार की किसान हितैषी सकारात्मक प्रयास है। वीर सावरकर भवन में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में जगदलपुर महापौर संजय पांडे, जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष दिनेश कश्यप, जिला पंचायत की कृषि स्थायी समिति के अध्यक्ष कामदेव बघेल सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, कमिश्नर डोमन सिंह, आईजी सुंदरराज पी., कलेक्टर आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित जगदलपुर से मिली जानकारी के अनुसार बस्तर जिले के 40,667 किसानों को 205.95 करोड़ रुपये की आदान सहायता राशि का वितरण किया गया। जिसमें मोटा धान पर 731 रुपए प्रति क्विंटल की दर से प्रोत्साहन राशि सीधे किसानों के बैंक खाते में अंतरित की गई है। जिले में इस योजना का सर्वाधिक लाभ बकावण्ड और बस्तर ब्लॉक के किसानों को मिल रहा है, जहाँ क्रमशः 67.90 करोड़ रुपए और 55.78 करोड़ रुपए की राशि सीधे किसानों के बैंक खाते में अंतरित की गई।

# संभागायुक्त ने उदयपुर में कार्यालयों का किया औचक निरीक्षण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। सरगुजा संभागायुक्त नरेंद्र दुग्गा ने शुक्रवार को उदयपुर में अनुविभागीय अधिकारी, तहसील एवं जनपद पंचायत कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने यहां आमजनों हेतु बुनियादी सुविधाओं का जायजा लिया। वहीं विभिन्न शाखाओं का अवलोकन कर कार्यप्रणाली का निरीक्षण किया। इस दौरान सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान दुग्गा उदयपुर में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तथा तहसील कार्यालय के औचक निरीक्षण पर पहुंचे। उन्होंने यहां कार्यालय परिसर का भ्रमण कर अलग-अलग शाखाओं का अवलोकन किया। उन्होंने एसडीएम, तहसीलदार न्यायालय के साथ ही नायब तहसीलदारों के न्यायालयों, नकल शाखा, नाजिर सेक्शन आदि में जाकर रिकॉर्ड का भी अवलोकन किया। उन्होंने न्यायालय में दर्ज मामले और ऑनलाइन पोर्टल में मामले की एंट्री के बारे में जानकारी ली। उन्होंने लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने विधिवत पंजियों को संधारित करने, राजस्व प्रकरणों को नियमानुसार ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से दर्ज एवं निराकरण सुनिश्चित किए जाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने किसानों को निशुल्क खसरा, बी-1, नक्शा वितरण किये जाने कहा। अभियान चलाकर शत-प्रतिशत नक्शा, खसरा, सीमांकन, बटवारा उपरांत नक्शा बंटाकन करने निर्देशित किया तथा कहा कि समय-सीमा में नहीं होने से पक्षकारों के मध्य विवाद की स्थिति होती है। ग्रामीणों की समस्याओं एवं अविवादित प्रकरणों का निराकरण तथा निस्तार पत्रों का विधिवत संधारण किए जाने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान श्री दुग्गा जनपद पंचायत उदयपुर कार्यालय पहुंचे। उन्होंने यहां कर्मचारियों की उपस्थिति के बारे में जानकारी ली तथा कहा कि सभी अधिकारी- कर्मचारी समय का विशेष ध्यान रखें, आधार बेस्ड उपस्थित अनिवार्य रूप से लागू हो। उन्होंने सभी शाखाओं का निरीक्षण कर कार्यप्रणाली, फाइलों की स्थिति और आम नागरिकों से जुड़े कार्यों की प्रगति की बारीकी से जांच की। उन्होंने कार्यालय में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त नरेंद्र दुग्गा ने कार्यालयों में उपस्थित लोगों ने बात की। उन्होंने लोगों की समस्याओं को सुना और तत्काल निराकरण के सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

# खेल अधोसंरचना को मिशन मोड में विकसित कर रही सरकार - मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा आयोजित 14वीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता 2025-26 का भव्य समापन आज मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में दुर्ग में संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री साय ने विभिन्न राज्यों एवं केंद्रीय बलों से आए खिलाड़ियों, कोच और अधिकारियों का स्वागत करते हुए उनके प्रदर्शन की सराहना की। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पुलिस जवान कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी निभाने के साथ खेलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं, जो उनके अनुशासन और समर्पण का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि तीरंदाजी छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्र की विशिष्ट पहचान रही है और राज्य सरकार खेल अधोसंरचना को मिशन मोड में विकसित कर रही है। जशपुर में आर्चरी एकेडमी तथा नवा रायपुर में राष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेलों से अनुशासन, स्वास्थ्य और आत्मविश्वास बढ़ता है तथा युवाओं के लिए कैरियर के नए अवसर भी बनते हैं। राज्य सरकार खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए ओलंपिक पदक विजेताओं को आकर्षक प्रोत्साहन राशि प्रदान कर रही है। उन्होंने युवाओं से खेलों से जुड़ने और अभिभावकों से बच्चों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने छत्तीसगढ़ की जनजातीय परंपराओं और धनुर्विद्या की समृद्ध विरासत का उल्लेख किया। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छह टीमों सीआईएसएफ, राजस्थान, सीआरपीएफ, उत्तर प्रदेश, बीएसएफ एवं आईटीबीपी को शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया

# जगदलपुर में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह में उप मुख्यमंत्री शर्मा हुए शामिल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर जगदलपुर में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। यह समारोह शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद तथा विज्ञान भारती के संयुक्त तत्वाधान में कृषि महाविद्यालय के सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विज्ञान के क्षेत्र में नवाचार, शोध एवं वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान

दिवस वैज्ञानिकों के योगदान को याद करने और युवाओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने का अवसर है। नवजवान साथी ही अब सारथी हैं विज्ञान के सारे अभियान में शामिल हो। उन्होंने विद्यार्थियों से विज्ञान को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रखते हुए नवाचार और शोध की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने विश्व और भारत के प्रारंभिक वैज्ञानिकों की तत्कालीन परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्तमान में माता- बहनों को विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बस्तर में वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाए, अनुसंधान करने वाले युवा वैज्ञानिकों का नाम वैज्ञानिक ग्रंथों में उल्लेख हो। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने विज्ञान के प्रति जागरूकता बढ़ाने सहित युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए विज्ञान तीर्थ दर्शन अभियान शुरूआत करने की घोषणा की। जिसमें युवा वैज्ञानिकों को देश के प्रमुख वैज्ञानिकों के जन्म स्थलों का अध्ययन भ्रमण करवाया जाएगा। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने दण्डकारण्य आमचो बस्तर विज्ञान महोत्सव का विमोचन किया। विज्ञान महोत्सव की गतिविधि मार्च से सितंबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा। जिसमें सोझ - गोठ (छात्र और वैज्ञानिक वार्ता), जोहार प्रकृती (ग्राम समिति कार्यशाला), बस्तर अनुसंधान (बस्तर लोक विज्ञान सम्मेलन), लोक - वैद्य सभा (पारंपरिक वैद्य विज्ञान अध्ययन अनुसंधान व कार्यशाला) और विकास यात्रा(प्रबुद्ध जनों की गोलमेज संगोष्ठी) का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर भोपाल, रायपुर से पहुँचे विभिन्न वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के नवीनतम आयामों पर प्रकाश डाला। समारोह का उद्देश्य युवाओं में वैज्ञानिक चेतना का प्रसार करना और समाज में विज्ञान के महत्व को रेखांकित करना रहा।

# अन्नदाता के पसीने की हर बूंद का मोल दे रही छत्तीसगढ़ सरकार की कृषक उन्नति योजना

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि अन्नदाताओं का पसीना सूखने से पहले ही उनके मेहनत का मोल मिलना चाहिए। मोदी की गारंटी को पूरा करते हुए सुशासन की राह पर चलने वाली साय सरकार ने कृषक उन्नति योजना के माध्यम से इस कथन को मूर्त रूप दिया है। अभी होली त्योहार आने को है और किसान भाईयों की मेहनत की एक-एक पाई उन्हें मिल गई है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 28 फरवरी को बिल्हा ब्लॉक के ग्राम रहंगी में आयोजित वृहद किसान सम्मेलन में कृषक उन्नति योजना के तहत राज्य के अन्नदाताओं को 3100 रूपए प्रति क्विंटल के मान से धान के मूल्य की अंतर राशि 10 हजार 324 करोड़ रूपए के बैंक खातों में अंतरित करेंगे। यह राशि राज्य के 25 लाख 28 हजार किसानों को मिलेगी। साय सरकार ने लगातार एकमुश्त तीसरी बार यह राशि भुगतान करने जा रही है। इसको मिलाकर राज्य के अन्नदाताओं को कृषक उन्नति योजना के माध्यम से 35 हजार करोड़ रुपए का भुगतान पूरा हो जाएगा। छत्तीसगढ़ सरकार अपने वादे के मुताबिक कृषक उन्नति योजना के आदान राशि का भुगतान होली पर्व के ठीक पहले कर रही है। इसका मतलब यह है कि किसान भाइयों के फाग में कुछ और उत्साह के रंग घुल जाएंगे।

होली में किसान भाइयों के साथ फगुआ रंग में स्वयं को रंगने मुख्यमंत्री भी बिल्हा जा रहे हैं।

तीन बार की धान खरीदी और सरकार द्वारा दिये जा रहे अन्य प्रोत्साहनों को देखें तो किसान भाइयों को अब तक लगभग डेढ़ लाख करोड़ रुपए की राशि दी गई है। धान के कटोरे में जबर्दस्त आर्थिक उफान लाने यह राशि कितनी सहायक हुई है इसका पता बजट के आंकड़ों से लगता है। इस बार प्रति व्यक्ति आय का जो अनुमान हुआ वो पिछले साल की तुलना में दस प्रतिशत अधिक है। जहां महंगाई लगभग 3 फीसदी की दर से बढ़ रही है और प्रति व्यक्ति आय इतनी तेजी से बढ़ रही है तो साफ है कि किसानों के लिए अपने खेत में निवेश के अवसर भी तेजी से सामने आ रहे हैं। कृषक उन्नति योजना के माध्यम से छत्तीसगढ़ के किसानों को पूरे भारत में धान का सबसे अच्छा दाम मिल रहा है। यह स्वामीनाथन कमेटी की उन अनुशंसाओं के मुताबिक है, जो किसान भाइयों को उचित मूल्य देने की बात करते हैं। कृषक उन्नति योजना ने केवल किसान भाइयों को मजबूत आर्थिक स्थिति ही नहीं दी है इसने कृषि अर्थव्यवस्था की नींव को भी मजबूत करने का काम किया है। लागत की तुलना में कम रिटर्न और अत्याधिक श्रम के चलते किसानों का कृषि से हो रहे मोहभंग की स्थिति को कृषक उन्नति योजना ने पलट दिया है। जहां वर्ष 2022-23 में लगभग 23 लाख 42 हजार किसानों ने धान बेचा, वहीं इस बार 25 लाख 28 हजार किसान भाइयों ने धान बेचा। इस तरह लगभग दो लाख किसान इस योजना के आने के बाद खेती किसानी से जुड़ गए, यह बड़ा बदलाव है। इस योजना का लाभ किसानों के साथ ही रेगहा, बटाईदारों, वनाधिकारपत्र धारकों, पब्लिक ट्रस्ट के लोगों तथा विशेष पिछड़ी जनजाति के लोगों को भी मिल रहा है इस प्रकार यह योजना समावेशी विकास का बड़ा आधार बन कर सामने आई है। कृषक उन्नति योजना ने किसानों को खेती पर निवेश करने की राह भी दिखाई है। प्रधानमंत्री जी ने जो जीएसटी रिफार्म्स किये, उससे सबसे ज्यादा लाभ किसानों को हुआ क्योंकि ट्रैक्टर सहित अन्य कृषि उपकरण सस्ते हो गये। कृषक उन्नति योजना ने इनका लाभ उठाने आवश्यक पूंजी किसानों को उपलब्ध कराई। कृषक उन्नति योजना ने धान के अलावा दलहन फसलों के लिए भी किसानों को प्रेरित किया

# परीक्षा केन्द्रों में विज्ञान विषय की परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल, रायपुर द्वारा संचालित हायर सेकण्डरी सर्टिफिकेट मुख्य परीक्षा 2026 अंतर्गत 28.02.2026 को विज्ञान विषय की परीक्षा सरगुजा जिले के कुल 75 परीक्षा केन्द्रों में संपन्न हुई। परीक्षा की शुचिता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु कलेक्टर, जिला सरगुजा द्वारा गठित उड़नदस्ता दल द्वारा शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अम्बिकापुर, केदारपुर, पुहपुटरा, कन्या सीतापुर एवं सरस्वती शिशु मंदिर अम्बिकापुर सहित विभिन्न केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी, अम्बिकापुर द्वारा गठित उड़नदस्ता दल ने होली क्रॉस उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अम्बिकापुर, सेंट जेवियर्स अम्बिकापुर तथा विवेकानंद विद्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अम्बिकापुर का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सभी परीक्षा केन्द्रों में परीक्षा शांतिपूर्वक एवं सुव्यवस्थित रूप से संचालित होना पाया गया। विज्ञान विषय की परीक्षा हेतु कुल पंजीकृत परीक्षार्थियों की संख्या 9662 थी, जिनमें से 9386 परीक्षार्थी उपस्थित रहे

# एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में प्रवेश परीक्षा 1 मार्च को

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। राज्य स्तरीय आदिम जाति कल्याण, आवासीय एवं आश्रम शैक्षणिक संस्थान समिति द्वारा संचालित जिले के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) में शिक्षण सत्र 2026-27 हेतु कक्षा 6 वीं प्रवेश के लिए प्राक्कयन परीक्षा का आयोजन 01 मार्च 2026 (रविवार) को प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक किया जाएगा। जिले के विभिन्न विकास खण्डों में कुल 8 परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा संपन्न होगी, जिसमें कुल 2322 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। विकासखण्ड मैनपाट अंतर्गत ईएमआरएस मैनपाट (केन्द्र क्रमांक 12) में 285 तथा ईएमआरएस रिखी उदयपुर (वर्तमान में संचालित द कन्या शिक्षा परिसर कैंपस, अम्बिकापुर, केन्द्र क्रमांक 11) में 200 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। विकासखण्ड अम्बिकापुर अंतर्गत प्रयास आवासीय विद्यालय घंघरी अम्बिकापुर (केन्द्र क्रमांक 15) में 431 तथा ईएमआरएस लुण्ड्रा (वर्तमान में संचालित-घंघरी, अम्बिकापुर, केन्द्र क्रमांक 13) में 251 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। विकासखण्ड बतौली में ईएमआरएस शिवपुर बतौली (केन्द्र क्रमांक 14) में 300 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। विकासखण्ड सीतापुर अंतर्गत शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सीतापुर (केन्द्र क्रमांक 17) में 275 तथा शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सीतापुर (केन्द्र क्रमांक 16) में 239 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। विकासखण्ड लुण्ड्रा अंतर्गत शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लुण्ड्रा (केन्द्र क्रमांक 18) में 341 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा की निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण संचालन हेतु आवश्यक प्रशासनिक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई हैं। सभी केन्द्रों पर पर्यवेक्षक एवं केन्द्राध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। सभी अभ्यर्थियों को निर्देशित किया गया है कि वे परीक्षा केन्द्र में निर्धारित समय से कम से कम एक घण्टा पूर्व उपस्थित हों तथा प्रवेश पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज साथ लाना सुनिश्चित करें। किसी भी प्रकार की समस्या या जानकारी हेतु परीक्षा प्रभारी पवन कुमार, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय रिखी, विकासखण्ड उदयपुर से मोबाईल नम्बर 8130921317 पर संपर्क किया जा सकता है।

# मुख्यमंत्री ने सरगुजा के 52 हजार से अधिक किसानों को दी होली की सौगात

**वर्चुअल माध्यम से 237 करोड़ से अधिक की राशि का किया अंतरण**

**कृषक उन्नति योजना अंतर्गत वृहद किसान सम्मेलन में आदान सहायता राशि का हुआ वितरण**

**विष्णु सरकार में खेती बन रही लाभ का व्यवसाय– कैबिनेट मंत्री अग्रवाल**

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज प्रदेश के अन्नदाताओं को होली पर्व से पूर्व बड़ी सौगात दी है। जिला मुख्यालय अम्बिकापुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में आयोजित ह्यकृषक उन्नति योजना के तहत आदान सहायता राशि वितरण समारोह एवं वृहद किसान सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से जुड़कर सरगुजा जिले के 52 हजार 553 किसानों के बैंक खातों में धान की अंतर राशि के रूप में 237,899.97 लाख रुपये का अंतरण किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पर्यटन, संस्कृति एवं धार्मिक न्यास मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने इस अवसर पर प्रतीक स्वरूप पाँच किसानों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए।

## किसानों के हित में समर्पित है विष्णु सरकार राजेश अग्रवाल

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में धान की बंपर रिकॉर्ड खरीदी हुई है। उन्होंने कहा, आज जिले के 52,553 किसानों को उनके परिश्रम का उचित मूल्य मिला है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी को पूरा

करते हुए विष्णु सरकार ने 21 क्विंटल प्रति एकड़ की दर से धान खरीदी की है। होली के पावन पर्व से पहले यह अंतर राशि किसानों के लिए सरकार का बड़ा तोहफा है। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि वे स्वयं को किसान है और किसानों को लाभ मिल रहा है। कृषक उन्नति योजना के साथ-साथ भूमिहीन कृषि मजदूरों को भी 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। ऑनलाइन व्यवस्थाओं और गांव-गांव में सीएससी केंद्रों के माध्यम से किसानों की चिंता दूर की जा रही है।

## मेहनत का मिल रहा सही दाम: श्रीमती दिव्या सिंह

जिला पंचायत सदस्य एवं कृषि स्थाई समिति की अध्यक्ष श्रीमती दिव्या सिंह सिसौदिया ने कहा कि छत्तीसगढ़ धान का कटोरा है और किसान इसकी रीढ़ हैं। विष्णु सरकार में अब न केवल धान, बल्कि दलहन, तिलहन, रागी, कोदो और कुटकी उगाने वाले किसानों को भी आदान सहायता राशि प्रदान की जा रही है, जिससे खेती लाभ का व्यवसाय बन रही है।

## कलेक्टर ने दी धान उपार्जन की जानकारी

कलेक्टर अजीत वसंत ने बताया कि जिले में 39 प्राथमिक समितियों और 54 धान उपार्जन केंद्रों के माध्यम से सुचारू रूप से धान खरीदी संपन्न हुई है। शासन ने संवेदनशीलता दिखाते हुए धान खरीदी की समय-सीमा बढ़ाई, जिससे कोई भी किसान वंचित नहीं रहा। उन्होंने जानकारी दी कि धान उठाव का कार्य भी तेज गति से जारी है और आज मिली अंतर राशि से किसानों को आगामी खेती के कार्यों में बड़ी सुविधा होगी।

## कृषक उन्नति योजना से बढ़ रही किसानों की आय

**बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन।** किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने हेतु शासन द्वारा विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। शासन किसानों को सहयोग प्रदान करने के साथ-साथ उनकी आय में वृद्धि सुनिश्चित करने की दिशा में सतत कार्य कर रही है। इसी उद्देश्य से विभिन्न कृषि नीतियों एवं योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इन्हीं योजनाओं में से एक कृषक उन्नति योजना के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। योजना के तहत आज 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की अंतर राशि किसानों के खातों में अंतरित की गई। राशि प्राप्त होने से किसानों में उत्साह का माहौल है तथा उन्होंने शासन के प्रति आभार व्यक्त किया है।

विकासखण्ड बलरामपुर के ग्राम महाराजगंज निवासी श्री रामफल एवं मानिकपुर के उमेष पाल ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में किसानों को फसलों का उचित मूल्य प्राप्त हो रहा है। शासन की किसान हितैषी नीतियों से उनकी आर्थिक स्थिति में सकारात्मक सुधार देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र विभिन्न चुनौतियों से जुड़ा हुआ है, जहां किसान कठिन परिस्थितियों में परिश्रम कर अपना जीवनयापन करता है। प्रदेश की बड़ी आबादी आज भी प्राथमिक क्षेत्र से जुड़ी है और अपने जीवन स्तर को बेहतर बनाने का प्रयास कर रही है। ऐसे में कृषि क्षेत्र में संचालित योजनाएं किसानों के लिए सहायक सिद्ध हो रही हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की ऐसी नीतियां ग्रामीण अर्थव्यवस्था में समावेशी विकास को बढ़ावा देते हुए प्रदेश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

# जिले के 58.443 हजार किसानों के खाते में हस्तांतरित हुई 273.55.63 करोड़ की राशि

### कृषक उन्नति योजना अंतर्गत आदान सहायता राशि वितरण एवं किसान सम्मेलन संपन्न

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**सूरजपुर।** छत्तीसगढ़ सरकार ने अपने संकल्प के अनुरूप होली पर्व से पूर्व शनिवार 28 फरवरी को राज्य के अन्नदाताओं को 10 हजार 324 करोड़ रुपये की आदान सहायता राशि उनके बैंक खातों में अंतरित की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बिलासपुर जिले के बिल्हा विकासखंड स्थित रहंगी खेल मैदान में आयोजित वृहद किसान सम्मेलन कार्यक्रम से कृषक उन्नति योजना के तहत राज्य के 25.28 लाख किसानों के खातों में सिंगल क्लिक के माध्यम से आदान सहायता राशि अंतरित की। सूरजपुर जिले के किसानों के लिए भी यह दिन विशेष रहा। जिले के 58.443 हजार किसानों के खातों में 273 करोड़ 55 लाख 63 हजार रुपये की राशि अंतरित की गई। विधानसभावार आंकड़ो पर नजर डाले तो ओड़गी विकासखंड में 23 करोड़ 99 लाख 95 हजार, प्रतापपुर में 57 करोड़ 57 लाख 99 हजार, प्रेमनगर में 23 करोड़ 13 लाख 98 हजार, भैयाथान में 56 करोड़ 18 लाख 88 हजार व रामानुजनगर में 51 करोड़ 73 लाख 30 हजार और सूरजपुर में 60 करोड़ 91 लाख 52 हजार रूपये की बोनस राशि का वितरण किया गया।

जिले के सभी विकासखंडों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रतापपुर में आ.जा. सेवा सहकारी समिति चन्दौरा, रामानुजनगर में आ.जा. सेवा सहकारी समिति परशुरामपुर, सूरजपुर में आ.जा. सेवा सहकारी समिति केशवनगर, प्रेमनगर में आ.जा. सेवा सहकारी समिति कंचनपुर, भैयाथान में बाजार ग्राउंड चन्द्रमेढ़ा तथा ओड़गी में ग्राम पंचायत प्रांगण ओड़गी में कृषक बंधुओं की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

**किसानों को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम-रेखा राजलाल**

जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती रेखा राजलाल राजवाड़े ने कहा कि धान का कटोरा कहे जाने वाले छत्तीसगढ़ के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है क्योंकि आज कृषक बंधुओं के अथक मेहनत को शासन सम्मानित कर रहीं है। सरकार ने कृषकों के उत्पान का मूल्य उपलब्ध कराने के उद्देश से कृषि उन्नति योजना शुरू की है। यह योजना किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने आने वाले पीढ़ीयों को भी कृषि व्यवसाय से जुड़ने की बात कही और उपस्थित समस्त किसान बंधुओ को होली पर्व की शुभकामनाए दी।

**देश की रीढ़ है किसान- जयवर्धन**

कलेक्टर एस. जयवर्धन ने उपस्थित कृषक बंधुओं को आज के दिवस की बधाई देते हुए कहा कि किसान इस देश की रीढ़ है। इसके साथ ही उन्होने कार्यक्रम के उपस्थित जनों को पंजीकृत कृषक व कृषि संबंधित आकड़ो से अवगत कराया। इस अवसर पर उन्होने कृषक बंधुओ को फसल विविधिकरण व जल संचय, जल संरक्षण जैसे विषयों से भी अवगत कराया। इसके साथ ही एग्रीस्टेक पंजीयन का जिक्र करते हुए कृषक बंधुओ से अपील की कि वर्तमान में जो भी कृषक एग्रीस्टेक मे पंजीयन नही करा पाये हैं वो स्वयं व अपने अन्य कृषक साथियों का पंजीयन कराना सुनिश्चित करें।

**कृषि उपसंचालक संपदा ने योजनाओं की विस्तृत जानकारी**

कृषि उपसंचालक सुश्री सम्पदा पैकरा ने इस अवसर पर उपस्थित कृषक बंधुओं को केंद्र शासित व राज्य शासित योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

इसके साथ ही कृषि के लिए आवश्यक बीज एवं खाद उत्पाद के अग्रिम उठाव के बात कहीं ताकि समय से पहले कृषक बंधु अपना भण्डारण सुरक्षित कर सुगमता पूर्वक खेती कर सकें। गौरतलब है कि कृषक उन्नति योजना के तहत छत्तीसगढ़ सरकार किसानों को धान का 3100 रुपये प्रति क्विंटल मूल्य प्रदान कर रही है, जो देश में सर्वाधिक है। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में राज्य के 25 लाख 28 हजार किसानों से समर्थन मूल्य पर 141 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है।कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत अब तक किसानों को 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक की आदान सहायता दी जा चुकी है। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी एवं अन्य किसान हितैषी योजनाओं सहित राज्य के अन्नदाताओं को 1.50 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की गई है। वर्ष 2026-27 के बजट में दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना हेतु 600 करोड़ रुपये, सिंचाई पंपों को नि:शुल्क बिजली के लिए 5500 करोड़ रुपये तथा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए 820 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष रामानुजनगर गुलाब सिंह, जनपद सदस्य श्रीमती इन्जोरिया, रोहित सिंह, कवल साय, सुमार साय, संत साहू, भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष कपिल पाण्डेय, जिला मंत्री दीपक गुप्ता, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष नारायण विश्वकर्मा, रामकुमार कुशवाहा, पवन सिंह, रामलाल राजवाड़े, सुन्दर सिंह, विजय प्रताप सिंह, अमर सिंह, रामक्खन, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष संजू गुप्ता, जनप्रतिनिधि, कृषक बंधु, एसडीएम श्रीमती शिवानी जायसवाल, कृषि विभाग के अधिकारी कर्मचारी व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मंडल संयोजक अशोक उपाध्याय एवं आभार जनपद सीईओ संजय राय ने व्यक्त किया।

## होली पर्व को लेकर करंजी चौकी में हुई शांति समिति की बैठक

### हुड़दंग मचाने वालों पर पुलिस की रहेगी पैनी नजर

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**दतिमा मोड़।** सूरजपुर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देशानुसार आगामी बुधवार को होली पर्व को लेकर करंजी चौकी परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक चौकी प्रभारी संतोष सिंह के अध्यक्षता में बैठक हुई। मौके पर चौकी प्रभारी ने शांति व सौहार्दपूर्ण माहौल में होली मनाने की अपील की। इस दौरान कहा गया कि पर्व के दौरान हुड़दंग मचाने वालों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। अल्पसंख्यक समुदाय का पाक ए माह रमजान चल रही है। ऐसी स्थिति में किसी को भी जबरन रंग या अबीर नहीं लगाना है। सोशल मीडिया पर पुलिस की निगाह बनी रहेगी। किसी भी तरह के भड़काऊ पोस्ट करने वालो को किसी भी सुरत में बख्सा नहीं जाएगा। सार्वजनिक स्थानों पर डीजे बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा उल्लंघन करने पर डीजे उपकरण जप्त किए जाएंगे और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी साथ ही बाहर से आने वाले वाले व्यक्तियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करने का भी निर्णय लिया गया और किसी भी प्रकार की अभद्रता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चौकी प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने दोहराया कि नागरिकों की सुरक्षा और पर्व की शांति बनाए रखना प्राथमिक उद्देश्य है और नियम का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कोई ढील नहीं दी जाएगी।

इस दौरान चौकी प्रभारी करंजी संतोष सिंह एवं काफी संख्या में आस-पास के जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

## राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का किया गया आयोजन

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**सूरजपुर।** आकांक्षी विकासखंड प्रतापपुर में सम्पूर्णता अभियान 2.0 के तहत आउटरीच गतिविधियों में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महिला एवं बाल विकास विभाग तथा शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। आंगनबाड़ी केंद्रों में 0 - 6 वर्ष के बच्चों का वजन एवं ऊँचाई मापन किया गया तथा पोषण प्रदर्शन, गोदभराई एवं न्योता भोज जैसे सामुदायिक

जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यालयों में विज्ञान आधारित क्विज, भाषण प्रतियोगिता एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ आयोजित कर विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों, गर्भवती माताओं, अभिभावकों एवं जनप्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता रही।

# दिव्यांग बच्चों के शिक्षक, पालक एवं अभिभावकों का हुआ 3 दिवसीय प्रशिक्षण

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**सूरजपुर।** परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा रायपुर के निर्देशन एवं जिला प्रशासन के मार्गदर्शन मे तीन दिवसीय शिक्षकों और पालको का उन्मुखीकरण कार्यक्रम जिला ग्रंथालय तक्षशिला तिलसिंवा के सभा कक्ष मे 26 से 28 फरवरी के बीच सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ माता सरस्वती के छायाचित्र मे दीप प्रज्वलन एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस प्रशिक्षण मे विभिन्न विकास खण्डों से प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर से 190 शिक्षक, पालक एवं मास्टर ट्रेनरों ने भाग लिया। प्रशिक्षण मे मास्टर ट्रेनर ने समावेशी शिक्षा दिव्यांग छात्रों के अधिकार, पाठ्यक्रम अनुकूलन, कक्षा प्रबंधन, सहायक उपकरण ,आईसीटी का उपयोग और क्षमता निर्माण पर मार्गदर्शन दिया गया। इसके अलावा दिव्यांग अधिकार अधिनियम 2016 और 21 प्रकार की दिव्यांगताओं के वारे मे जानकारी प्रदान की गई। साथ ही प्रषिक्षण मे समग्र शिक्षा अंतर्गत संचालित समावेशी शिक्षा अंतर्गत दिव्यांग छात्र, छात्राओं को दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुये दिव्यांगो का र्सवागीण विकास की लक्ष्य पर जोर दिया गया। प्रशिक्षण के अंतिम चरण मे सभी शिक्षको को दिव्यांग छात्राओं के प्रति साकारात्मक व्यवहार के साथ प्रशिक्षण का समापन किया गया। प्रशिक्षण मे उपस्थित जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा, जिला मिशन समन्वयक मनोज कुमार साहू,
सहायक परियोजना समन्वयक शोभनाथ चौबे के द्वारा प्रशिक्षण के दौरान दिव्यांग बच्चों का शतप्रतिशत चिहांकन कर शासन द्वारा संचालित योजनाओं से लाभांवित करने पर जोर दिया गया। आयोजित जिला स्तरीय प्रषिक्षण मे मास्टर ट्रेनर विनोद यादव बी.आर.पी., किशोर मुर्खजी, प्रमाद कुमार टण्डन, रमाकांत नर्मदा, योगेश चन्द्राकर एवं सुदर्शन का सराहनीय योगदान रहा।

## महाअभियान, जिले में बने 11,733 आयुष्मान कार्ड

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**सूरजपुर।** आयुष्मान भारत योजना के तहत चलाए गए तीन दिवसीय आयुष्मान कार्ड महा अभियान का जिले में सफल समापन हुआ। अभियान के अंतिम दिवस प्राप्त आंकड़ों के अनुसार जिले में कुल 11,733 आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं, जो जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग की सक्रिय कार्ययोजना और जनभागीदारी का परिणाम है। महा अभियान के अंतिम तीन दिनों में कार्ड निर्माण की गति उल्लेखनीय रही। 26 फरवरी को 2,380 कार्ड, 27 फरवरी को 4,381 कार्ड तथा अभियान के अंतिम दिवस 28 फरवरी को प्राप्त अंतिम जानकारी तक 4,972 कार्ड बनाए गए। विशेष रूप से अभियान के आखिरी दो दिनों में कार्ड निर्माण में तेजी देखी गई, जो जिले की स्वास्थ्य टीमों के समर्पित प्रयासों को दर्शाता है। महा अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों तक इस योजना का लाभ पहुंचाना था, जिसमें जिले ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

## जिले के 455 शासकीय उचित मूल्य दुकानों में राशन वितरण सुचारू से जारी

**महासमुंद, छ.ग. फ्रंटलाइन।** सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के वर्तमान स्थिति के संबंध में खाद्य अधिकारी अजय यादव ने बताया कि जिला महासमुंद में कुल 593 शासकीय उचित मूल्य दुकानों में से ऑनलाइन एवं ऑफलाइन मिलाकर 455 दुकानों (लगभग 76 प्रतिशत) में राशन वितरण का कार्य सुचारू रूप से जारी है। उन्होंने बताया कि जिन दुकानों में वितरण प्रारंभ हो चुका है, वहां फरवरी एवं मार्च 2026 माह का खाद्यान्न पात्र हितग्राहियों के राशन कार्ड में ई-पॉस मशीन के माध्यम से प्रदर्शित हो रहा है। 18 फरवरी 2026 की स्थिति में जिले के 99,908 राशनकार्डों में से लगभग 28.29 प्रतिशत हितग्राहियों को खाद्यान्न का वितरण किया जा चुका है। इसी तरह जिले की 593 शासकीय उचित मूल्य दुकानों में से 468 दुकानों (लगभग 78 प्रतिशत) में नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा खाद्यान्न का भंडारण किया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि पूर्व में जिले में 12 ऑफलाइन उचित मूल्य दुकानें संचालित थीं। सर्विस प्रोवाइडर एवं कोऑर्डिनेटर द्वारा नेटवर्क परीक्षण के उपरांत विकासखंड पिथौरा की एक दुकान में नेटवर्क सुविधा उपलब्ध होने पर उसे ऑनलाइन कर दिया गया है। वर्तमान में जिले में कुल 11 दुकानें ऑफलाइन संचालित हैं, जहां नेटवर्क कनेक्टिविटी उपलब्ध नहीं है। इन दुकानों के माध्यम से हितग्राहियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए शासन द्वारा ई-पॉस मशीन में ऑफलाइन डाटा एंट्री की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। विक्रेताओं द्वारा समय-समय पर इस डाटा को अपडेट किया जाता है, जिससे वितरण व्यवस्था प्रभावित न हो।

# जिला अस्पताल में पहली बार हुआ कूल्हे की हड्डी का सफल प्रत्यारोपण

### आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. अजय एवं डॉ. अमन ने ऑपरेशन को दिया अंजाम

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**सूरजपुर।** यहां का जिला अस्पताल चिकित्सा के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। अस्पताल के हड्डी रोग विभाग में पहली बार कूल्हे की हड्डी के प्रत्यारोपण का जटिल ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। इस सर्जरी के साथ ही जिले के मरीजों के लिए जिला अस्पताल अब एक स्वास्थ्य सेवा प्राप्त करने का बेहतर स्थान बन गया है। अब इस तरह के बड़े ऑपरेशन के लिए बाहर जाने कीआवश्यकता नहीं होगी। जानकारी के अनुसार जमगहना के 45 वर्षीय इंद्रजीत कई दिनों से कूल्हे के तीव्र दर्द से पीड़ित थे। हड्डी रोग विभाग में भर्ती होने के बाद जांच में पता चला कि उनके कूल्हे की हड्डी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है और इसे बदलना अनिवार्य है। सिविल सर्जन डॉ. अजय मरकाम को जैसे ही इस गंभीर मामले की सूचना मिली, उन्होंने तत्काल संज्ञान लेते हुए सर्जरी टीम को सभी आवश्यक सुविधाएं एवं सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके बाद आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. अजय साहू एवं डॉ. अमन गुप्ता ने अपनी कुशलता और अनुभव से इस जटिल ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। ऑपरेशन के दौरान मरीज की सुरक्षा एवं स्थिरता सुनिश्चित करने में निश्चेतना टीम की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। इस टीम में डॉ. विकास भगत, डॉ. अनिल कुमार एवं रेजिडेंट डॉक्टर डॉ. संदीप भगत शामिल रहे। इसके अलावा ओटी इंचार्ज श्रीमती नवीदा परवीन, सुश्री मयंका राजवाड़े, सीमा देवांगन, बोधन राजवाड़े, सुखलाल राम तथा सहायक स्टाफ सागर एवं भीक साय ने भी इस ऑपरेशन की सफलता में उल्लेखनीय योगदान दिया। सिविल सर्जन डॉ. अजय मरकाम ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अस्पताल प्रबंधन मरीजों को पूर्ण स्वास्थ्य लाभ देने हेतु सदैव तत्पर है। उन्होंने कहा कि अस्पताल में पहले से ही कई सुविधाएं उपलब्ध हैं और आने वाले समय में इन्हें और बेहतर बनाया जाएगा, जिससे मरीजों को इलाज के लिए जिले से बाहर न जाना पड़े। उन्होंने पूरी ओटी टीम को इस नई शुरुआत और सफल ऑपरेशन के लिए बधाई दी। आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. अजय साहू ने बताया कि यह एक अत्यंत कठिन ऑपरेशन था, जिसे अस्पताल प्रबंधन एवं ओटी टीम के संपूर्ण सहयोग से सफलतापूर्वक पूरा किया गया। मरीज के परिजनों ने राहत व्यक्त करते हुए डॉ. अजय साहू, डॉ. अमन गुप्ता, सिविल सर्जन डॉ. अजय मरकाम एवं समस्त ओटी टीम के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि वे बड़ी उम्मीद लेकर आए थे और जिला चिकित्सालय उनकी उम्मीदों पर पूरा खरा उतरा।

यह सफल सर्जरी यहां के जिला चिकित्सालय की बढ़ती चिकित्सकीय क्षमता का प्रमाण है और जिलेवासियों के लिए एक शुभ संकेत है कि अब उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं उनके अपने जिले में ही उपलब्ध हो रही हैं।

# समूह की महिलाएं बना रही हर्बल गुलाल

**बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन।** रंगों का पावन पर्व होली इस बार जिले में कुछ खास होने जा रहा है। जहां जिला प्रशासन एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत भनौरा के गंगा महिला स्व-सहायता समूह की महिलाएं पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्राकृतिक हर्बल गुलाल तैयार कर स्ऑल कर बिक्री कर रही हैं।

समूह में 11 सदस्य हैं, महिला स्व-सहायता समूह की महिलाओं का मानना है कि पारंपरिक विधि से बनाए गए प्राकृतिक गुलाल से न केवल त्वचा सुरक्षित रहती है, बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी पूरी तरह अनुकूल है। महिलाओं ने बताया कि गुलाल बनाने की पूरी प्रक्रिया प्राकृतिक है। इसे तैयार करने में फूलों, सब्जियों का उपयोग किया जाता है, जिससे यह त्वचा के लिए सुरक्षित और लाभकारी होता है। विभिन्न रंगों के लिए प्राकृतिक सामग्रियों का उपयोग किया जा रहा है। गुलाबी रंग हेतु चुकंदर एवं गुलाब की पंखुड़ियां, पीले रंग के लिए हल्दी एवं गेंदे के फूल, हरे रंग के लिए पालक, नीले रंग के लिए अपराजिता के फूल तथा लाल रंग के लिए टेसू के फूलों का प्रयोग किया जा रहा है। जिला प्रशासन एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से तैयार किया जा रहा यह हर्बल गुलाल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। समूह की महिलाओं ने बताया कि वे पिछले तीन वर्षों से ईको-फ्रेंडली हर्बल गुलाल बनाने का कार्य कर रही हैं। महिलाओं ने कहा कि रासायनिक रंगों की तुलना में प्राकृतिक गुलाल पूरी तरह सुरक्षित होता है तथा इसके उपयोग से स्वास्थ्य पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता और स्थानीय बाजार में इसकी अच्छी मांग है। उन्होंने जिला प्रशासन के प्रति आभार भी व्यक्त किया है।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088


# सरगुजा फ्रंटलाइन

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 ( छत्तीसगढ़ ) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर